



GENERAL STUDIES (Test-4)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/22 (J-A)-M-GSM (M-I)-2204

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Vikash Senthya

Mobile Number: _____

Medium (English/Hindi): _____

Reg. Number: _____

Center & Date: _____

UPSC Roll No. (If allotted): _____

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें तेरह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिये जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

There are **THIRTEEN** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

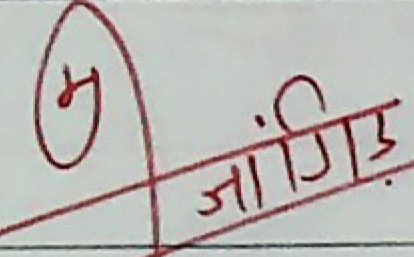
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		6 (a)	
1 (b)		6 (b)	
2 (a)		7.	
2 (b)		8.	
3 (a)		9.	
3 (b)		10.	
4 (a)		11.	
4 (b)		12.	
5 (a)		13.	
5 (b)			
Grand Total (सकल योग)			


मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

- | | |
|---|--|
| 1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता) | 2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता) |
| 3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता) | 4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह) |
| 5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता) | 6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता) |

टिप्पणी :-

1. संदर्भ दक्षता अच्छी है, सवाल के विभिन्न पक्षों को उचित रूप से समझा गया है।
2. परिचय दक्षता अच्छी है।
3. विषय-वस्तु के स्तर पर जानकारी ठीक है, उदाहरणों का अधिक-से अधिक प्रयोग करते अपनी बात की पुष्टि करें।
4. भाषा-प्रवाह अच्छा है, त्रुटियां, काटछांट कम हैं।
5. निष्कर्ष दक्षता ठीक है। बले और उत्कृष्ट बनाए।
6. प्रस्तुतीकरण व्यवस्थित है।
- * ज्ञानग्राह, चार्ट, फ्लो-चार्ट, आदि में विविधता लाने व सज्जात्मक बनें।

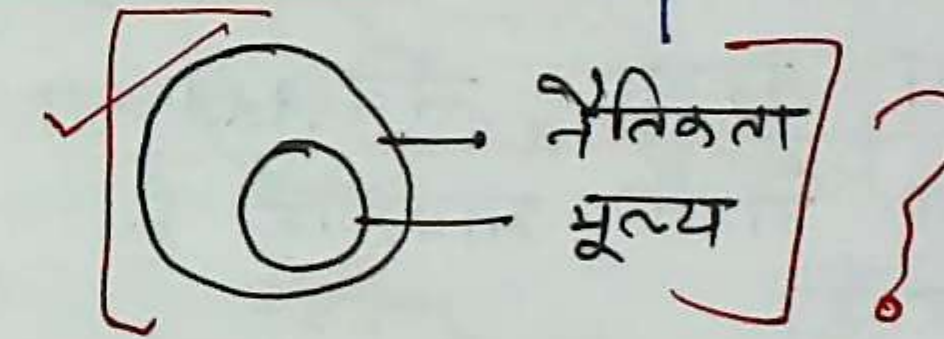
शुभकामनाएँ

खंड - क/ SECTION - A

1. (a) नैतिकता को परिभाषित कीजिये तथा उपयुक्त उदाहरणों के साथ इसकी आवश्यकता की व्याख्या कीजिये। (150 शब्द) 10
Define Ethics and explain its necessity with suitable examples. (150 Words) 10

अच्छा प्रभाव है।

नैतिकता का अर्थ उन मूल्यों, प्रतिमानों और मानकों के समुच्चय है जो किसी समाज की व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए आवश्यक होते हैं। प्रत्येक सभ्य समाज नैतिकता के उच्च धारों को प्राप्त करने को दिशा में प्रयासरत रहता है।



नैतिकता की आवश्यकता

1. सामाजिक व्यवस्था के संचालन हेतु

थॉमस हॉब्स के अनुसार मनुष्य मूलतः स्वार्थी होता है अतः नैतिकता व्यक्ति में परोपकार, सहिष्णुता, प्रेम जैसे मूल्यों के माध्यम से समाज का अदृग्निर्जगत् व्यक्त बनाती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अच्छा परिचय

→ मानवतामयिक प्रभाव

→ विश्वजीयता

copy sc
T.N. शंकर
नेचुमाव
आयोग को बनाया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ लोगों को एकपुत्र करना
↓
एकता की भावना विकसित करने में।
→ नेहरू प्रधान करना
↓
महात्मा गांधी पर
→ समाज सुरक्षित रहता है।
↓
प्रावण, लिंग, लक्ष्मी रूप से।
आदि भी बताये।

② देश के आर्थिक विकास हेतु - प्रोटेस्टेंट
संघिक संघु डेपीटमिष्म (बेबर) के अनुसार

जिस समाज में उद्यमशीलता का मूल्य अधिक, उसका आर्थिक विकास होता है जैसे यूरोप, अमेरिका

③ नैतिकता व्यक्ति को नैतिक - अनैतिक का ज्ञान देकर शुभ की ओर प्रेरित करती है।

④ समाजिक वर्गों के उत्थान हेतु लोकसेवकों में माय, करुणा, संवेदनशीलता जैसे मूल्यों का होना आवश्यक है जो नैतिकता से आते हैं।
जैसे - भारतेंद्रगोपाय का उद्घाटन

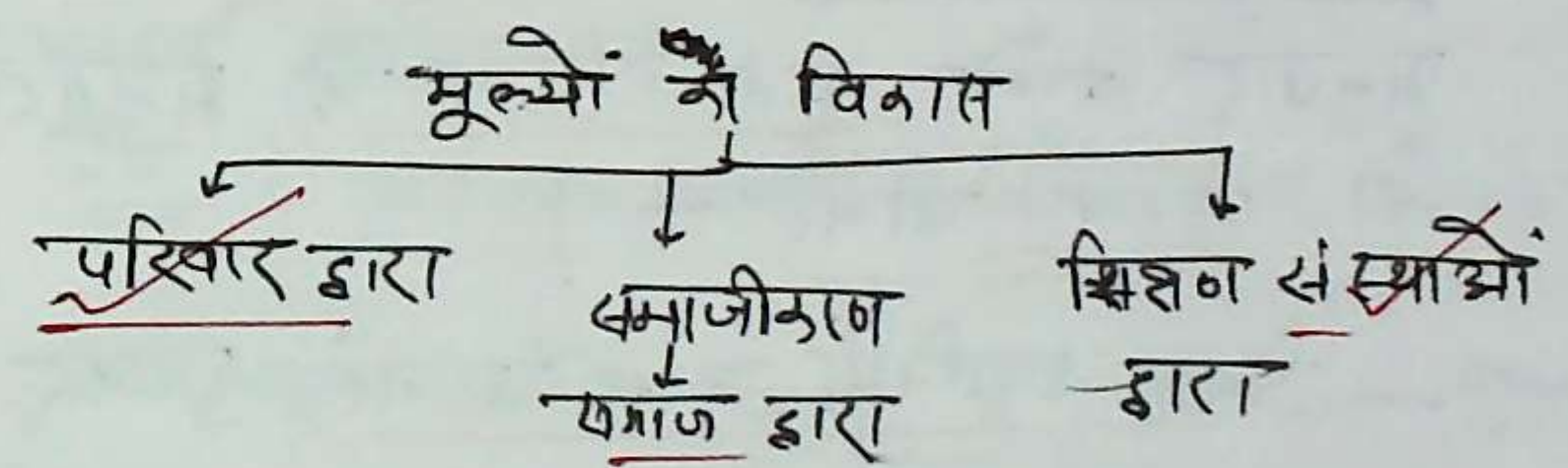
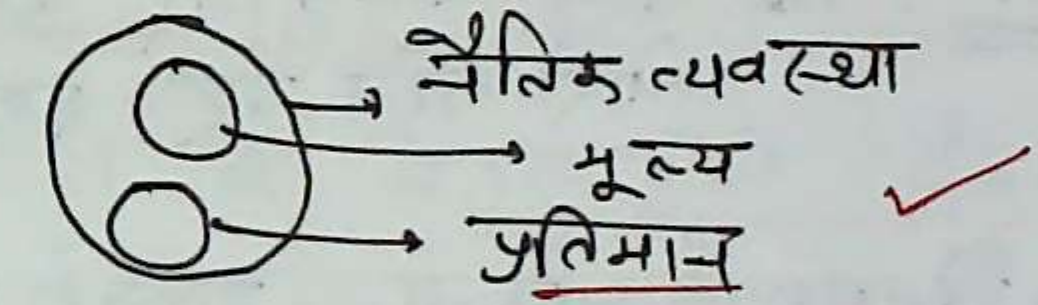
⑤ नैतिकता समाज में व्याप्त अंधविश्वास, उरुतियाँ, रूढ़िवाद को समाप्त करने में सहायक

स्पष्ट है कि नैतिकता व मूल्य ही व्यक्ति को व्यक्ति बनाते हैं।

(b) मूल्यों से आप क्या समझते हैं? मूल्यों को विकसित करने में परिवार की भूमिका पर प्रकाश डालिये।
(150 शब्द) 10
What do you mean by values? Throw light on the role of family in inculcating values.
(150 Words) 10

मूल्य वे नैतिक आदर्श होते हैं जिन्हें डोई समाज प्राप्त करना चाहता है।
जैसे - प्रेम, करुणा, दया, सहिष्णुता आदि

मूल्य अमूर्त होते हैं, उनको मूर्त बनाने हेतु प्रतिमान बनाए जाते हैं।



परिवार की भूमिका - मूल्यों के विकास
① मूल्य अन्मज्जात नहीं होते हैं, वे समाजीकरण की प्रक्रिया से सीखे जाते हैं और परिवार शिक्षक की प्रथम पाठशाला होती है तथा माँ प्रथम शिक्षक।

समाजिक इमानदारी आदि।
↓
शास्त्रीजी रेलवे इंजीनियर पर इस्तीफा दिया

जैसे - गांधी जी से कृष्ण तथा भंडिसा
का मूल्य उनकी माता द्वारा सिखाया गया

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

② किस उम्र तक - सामान्यतः 5-6 वर्ष तक
परिवार वा प्रभाव अधिक
→ प्रायः जीवन भर

③ मूल्य शिक्षण की पहचान

→ पुरस्कार व दण्ड ✓

जैसे - सत्य बोलने पर पुरस्कार
भेरी करने पर दण्ड ✓

- पैसावाक्य भ्रष्टाचार - अल्बर्ट बॉंदुभा के
भनुवार बन्ने माता-पिता के भनुकरण
से मूल्य सीखते हैं।

- पेरु कथानियां तथा घरवाले कुत्तार

④ परिवार के द्वारा विवाहगत मूल्य ही व्यक्ति
के चरित्र में परिलक्षित होते हैं।

जैसे - रुद्रिवादी परिवार - व्यक्ति में लैंगिक
समानता के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति

अतः परिवार में त्रैलिक मूल्यों से सिखाने
पर बल देना चाहिए।

2. (a) एक नेता वही है जो सही रास्ता जानता है, सही रास्ते पर चलता है और सबको सही रास्ता दिखाता है।

(150 शब्द) 10

A leader knows the way, goes the way and shows the way. Substantiate.

(150 Words) 10

उपर्युक्त कथन व्यक्ति की नेतृत्व
शमता के संदर्भ में है।

समाज में सामान्यतः सामाजिक
परम्पराओं के प्रति स्वीकार्यता (conformity)
प्रभाव पाया जाता है, भले ही
वे परम्पराएँ गलत हों जैसे - बली
पुथा, बलि पुथा। ✓

ऐसे में नेतृत्व शील व्यक्ति उचित
रास्ते के उद्घाटन द्वारा समाज को नेतृत्व
प्रदान करता है।

जैसे - महात्मा गांधी, बिबेकानन्द आदि।

एक अच्छे नेता में समाज को
रास्ता दिखाने के लिए निम्न गुण
होने चाहिए -

- ① समाज की समस्याओं के प्रति चिंतन का भाव
- ② सही रास्ते को बोजने का ज्ञान
- ③ उल्लेख परिस्थिति में उस रास्ते

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

नेता
↓
सत्यनिष्ठा
साहस
ताकिकता

लिंग संवेदनशीलता
के प्रति।
साधन बनाम
साध्य
गांधीजी
नेतृत्व
पर अनुभव
आदि पर।
निम्न, राज्य
व राष्ट्र के
संबंध में।

IAS
आमेस्ट्रॉग
पामे
(मणिपुर)
100 km
सड़क बनवाई
पब्लिक फंडिंग
ले।
नेल्सन मंडेला
महात्मा गांधी

पर रिने स्ट्रे डा वाएस,
④ भावनात्मक बुद्धिमत्ता, समावेशिता, संबेदनशीलता, कृपा जैसे मूल्य।

हालांकि उई बार नेतृत्व क्षमता का दुरुपयोग भी देखने को मिलता है जैसे -
- डिक्टर, मुलोलिसी भाडि
- आतंकवादी संगठनों के प्रमुख (ओषामा)

अतः यदि नेता सद्गुणों से युक्त होगा तो समाज में दुश्हाली आएगी व अन्याय खतम उसके पीछे खड़ी हो जाएगी।

एक भ्रष्ट नेता वह नहीं होता जो भीड़ के आगे चलता है, बल्कि वह होता है, भीड़ जिसके पीछे चलती है।

यह नेता में सद्गुणों के महत्व पर बल देती है।

बड़त अस्था!

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

45
10

(b) भारत में विभिन्न तत्वों पर चर्चा कीजिये जो भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग को बढ़ाते हैं।
(150 शब्द) 10
Discuss the various elements in India that aggravate corruption and abuse of office.
(150 Words) 10

किसी अनविद्यत नाश या निष्पत्ति की पूर्ति के लिए आर्थिक पद व संसाधनों का दुरुपयोग भ्रष्टाचार कहलाता है।

ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल का इररेशन परसेप्शन इंडेक्स
2019 - 80 वॉ स्थान } भारत में
2021 - 85 वॉ स्थान } भ्रष्टाचार वृद्धि के प्रवृत्ति

भ्रष्टाचार व पद दुरुपयोग के कारण

① सामाजिक कारण
- समाज में भ्रष्टाचार की स्वीकृति
- रिप बरबरीस भाडि की संस्कृति जिसे भ्रष्टाचार का संस्कृतिकरण
- धन प्रतिष्ठा का माध्यम -> भ्रष्टाचार

पारदर्शिता की कमी
नकल अर्थव्यवस्था
एकाधिकार
सूडानी नेता
सम्बन्ध
कमजोर संस्थाएँ

② राजनैतिक कारण
- मंहुजी चुनाव गृहिया, अतः राजनेताओं द्वारा अपने क्षेत्र में बर्च

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- उस दर्जे की रूढ़ि देहु शुध्याचार
- राजनीतिक व कार्पोरेट गठबन्धों की समस्या 1

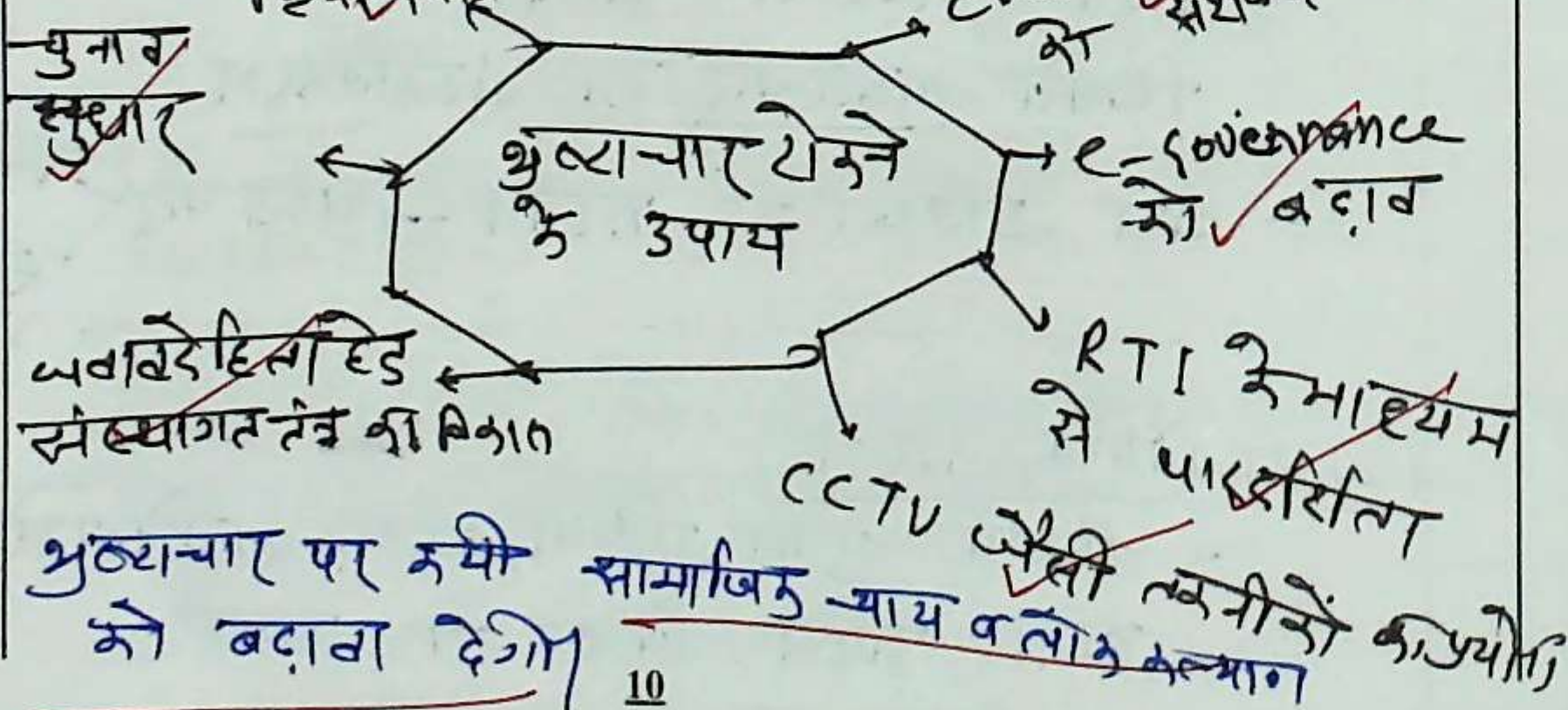
3) कानूनी कारक

- शुध्याचार निवारण अधिनियम का प्रभाव उद्योग नहीं
- शुध्याचारियों पर उठौर कर्वाइ नहीं
- एटिल कानूनी प्रक्रिया → न्याय में देरी → कानून का भय समाप्त

4) उशाबनित कारक

- जबाबदेहिता व इकरदायित्व की भावना का अभाव
- शोपनीयता की संस्कृति (मंजियों द्वारा शोपनीयता की शपथ)

अत्यधिक विवेकाचार
सिस्टिम चार्ज की प्रभावी विभाजन



शुध्याचार पर कमी को बढ़ावा देगी

4.5 / 10

3. (a) सिविल सेवाओं के मूलभूत मूल्यों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10
Discuss the foundational values for civil services. (150 Words) 10

सिविल सेवाओं द्वारा इत्यधिकारी राज्य में सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने व विभिन्न सेवाओं की प्रदायगी का कार्य किया जाता है। इसके लिए उन्हें उच्च नैतिक मूल्यों से युक्त रहना चाहिए।

सिविल सेवा के मूलभूत मूल्य

1) सत्यनिष्ठा - व्यक्ति के विचार, मूल्य व व्यवहार से सुसंगति की अवस्था सत्यनिष्ठा है। यह समानता से उच्च मूल्य है।

उदा - सम. विधेयक अपने ही पास दो मोमबत्ती रखते थे। एक → सम्विगत कार्य दूसरी → सार्वजनिक कार्य

2) व्युत्पन्नता - किसी निर्णय के समय अपने पूर्वाग्रहों, विचारों, विरक्तों से तटस्थ रहना तथा ग्रामों, तथ्यों के आधार पर निर्णय लेना। कांट के अज्ञानता का पर्दा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अच्छा परिचय

लोगों की क्षमता विकसित करने में मदद करने के लिए नागरिक सार्वे का संरक्षक होता है। न्यायसंगत, समावेशी तर्कसंगत पर आधारित हो।

खाब अधिपतित भी भूध्याचार को बढ़ावा दे। राजनीतिक आसिरता आदि।

बढ़ा अच्छा!

सिंहों के माध्यम से स्पष्ट किया।
जैसे - सुधीर सिंह के जय द्वारा सबरीमाला
उस का निर्वचन

उम्मीदवार को इस
 हाशिये में नहीं लिखना
 चाहिये।
 (Candidate must not
 write on this margin)

③ सैवाभावना. सैवा को किसी लाभ-प्राप्ति
 के उद्देश्य से न करना तथा उसे
 अपना स्वधर्म समझना। अर्थात् कोट
के निरपेक्ष भाँटा या जेता के निष्काम-कर्म
के अनुसार सेवा के लिए सेवा करना।
जैसे - आर्य समाज के उदाहरण

④ सहानुभूति. किसी व्यक्ति की मानसिक
 स्थिति को समझना व महसूस
 करना। इसके लोक-सेवा में वंचित वर्ग
 को ज्याय मिलने की संभावना बढ़ावती
है।

⑤ लगन (Perseverance). किसी दृढ़तापूरी उद्देश्य
 की प्राप्ति में बैर बनाए हुए बतल
प्रयास करते रहना तथा खुद को आत्म-
अभिप्रेरित रखना।

उपरोक्त मूल्य सिविल सेवा में
 वैतनिकता का विकास करते हैं।

⑧ कर्मणा
 ⑦ प्रानुभूति

मिथ्या
 प्रमुख
 जिम्मेदार
 ठहराकर उसे
 जिम्मेदारियों से
 चुकने नहीं
 देते। — ये कल्पनागरिक कीदत संशोधन

(b) प्लेटो द्वारा प्रस्तावित आधारभूत मूल्य क्या हैं जिन्हें एक सिविल सेवक द्वारा शामिल किया जाना
 चाहिये? संदर्भित कीजिये। (150 शब्द) 10

What are the cardinal values proposed by Plato which should be incorporated by a civil
 servant? Contextualize. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस
 हाशिये में नहीं लिखना
 चाहिये।

(Candidate must not
 write on this margin)

मूल्य जैसे वैतनिक आदर्श होते हैं।
 जिन्हें केवल समाज या व्यक्ति प्राप्त करना
चाहता है।
जैसे - दया, कर्मणा, प्रेम आदि।

Good

प्लेटो ने
 मूल्यों को
 कार्यक्षमता
 की नींव
 बनाने के
 रूप में संशोधित
 किया है।

प्लेटो द्वारा प्रस्तावित आधारमूल्य

प्लेटो ने तीन आधारभूत मूल्यों
 को बताया —

साहस - निरंतर भय का सामना करने से
साहस का मूल्य उत्पन्न होता है।

विवेक - कर्तव्य व अकर्तव्य, वैतनिक-अवैतनिक
 का ज्ञान ही विवेक है।

संयम - अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखना
 उपरोक्त तीनों मूल्यों का
 नार्थिक परिणाम होता है - संयम

सिविल सेवक अनकल्याण के तथा
सामाजिक ज्ञान हेतु कार्य करते हैं।

अतः उन्हें इन मूल्यों को धरना चाहिए।

① साहस का मूल्य सिविल सेवाओं को लंबी परियोजनाओं में धैर्य बनाए रखने में मदद करता है तथा वे अन्य लोगों को भी प्रेरित कर पाते हैं।

जैसे - मनुवाचल उद्देश का जोड़कर उन में सिविल सेक्टर द्वारा साहस का परिचय दिया

② विवेक से व्यक्ति हमेशा त्रैलिक निर्णय लेने में समर्थ होता है तथा त्रैलिक दुविधा व विवेक के संकट को स्थिति से बच पाता है।

③ संयम का मूल्य व्यक्ति को भ्रष्टाचार आदि से बचाने हेतु अत्यंत सीमित करने पर बल देता है।

④ न्याय में वस्तुनिष्ठता व नरदृष्टता से गरीब वर्गों का कल्याण होता है।

अतः उपरोक्त मूल्य सिविल सेवा में विकसित करने से सुशासन की प्राप्ति की जा सकती है।

अच्छा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

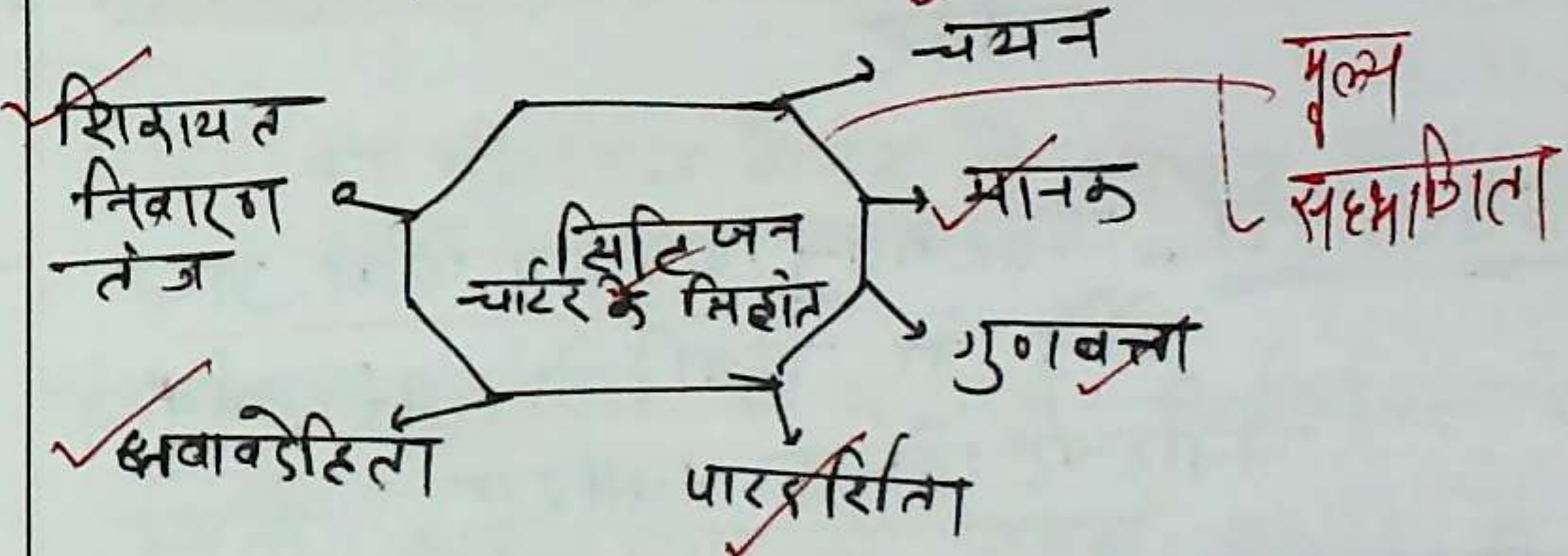
4. (a)

विवेकपूर्ण सार्वजनिक सेवा की प्राप्ति में सिटीजन चार्टर को नियंत्रित करने वाले अंतर्निहित सिद्धांत क्या हैं? (150 शब्द) 10

What are the underlying principles that govern citizen charter in the attainment of prudent public service? (150 Words) 10

सिटीजन चार्टर किसी सार्वजनिक संगठन द्वारा उद्दान की जाने वाली सेवाओं का दस्तवेज होता है जिसमें सेवा की गुणवत्ता, मानक, शिकायत निवारण तंत्र आदि का उल्लेख होता है।

सिटीजन चार्टर (CC) का उद्देश्य संगठन को पारदर्शी व अबावदेह बनाता होता है।



अयन - नागरिकों के पास अयन का अधिकार होना चाहिए। विश्व बैंक ने इसके लिए अतिस्पर्धा बढ़ाने पर बल दिया है।

सरकार व निजी क्षेत्र में - जैसे - MTNT, Airtel, Jio

सरकार के विभिन्न उद्यमों में - भारत, इंडिया, M P

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अच्छा
परिचय

मानक - प्रदान की जाने वाली सेवा के मानक निर्धारित होने चाहिए तथा मानक मापन योग्य होने चाहिए

समय गुणवत्ता के संदर्भ में

गुणवत्ता - सेवा की गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए
- आप फीडबैक के आधार पर सतत सुधार

पारदर्शिता - सेवा के बारे में नागरिकों तक सभी सूचनाएँ
- सूचित निर्णय लेने में समर्थ होने चाहिए

उत्तरदायित्व - आश्वासन अनुरूप सेवा प्राप्त होने की स्थिति में उत्तरदायित्व निश्चित होना चाहिए

शिकायत निवारण तंत्र - प्रोसक्रिटिक संवाद
- सकारात्मक व अनुकूलकारी
- त्वरित समाधान

सिटिजन चार्टर का प्रभावी प्रयोग हुआ तो नागरिक केन्द्रित शासन को सुनिश्चित होगा

सेवात्मक मॉडल को लागू करने से नागरिक चार्टर को अधिक नागरिकों तक बनने में सहायता मिल सकती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

अच्छा प्रयास!

4.5
10

(b) भावनात्मक बुद्धिमत्ता एक सिविल सेवक को वर्तमान वातावरण में प्रासंगिक रहने में कैसे मदद करता है? (150 शब्द) 10
How does emotional intelligence help a civil servant to stay relevant in the current environment? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

सैलोक्री स्तर मेयर के अनुसार, भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EI) एक सीखने योग्य क्षमता है जो अपनी भावनाओं को समझने व प्रबंधन करेता तथा दूसरों की भावनाओं को समझने व किसी कार्य की सफलता की ओर निर्देशित करने में सक्षम बनाती है।

$$\text{Inter Personal Skill} + \text{Intra Personal Skill} = \text{E.I.}$$

E.I. का सिविल सेवक के जीवन में महत्व

① स्व-जागरूकता के माध्यम से सिविल सेवक अपनी भावनाओं को समझ सकता है तथा तनाव प्रबंधन आदि कर सकता है।

② भ्राम्य प्रेरण की क्षमता के माध्यम से सिविल सिविल सिविल सिविल प्रोजेक्ट में स्वयं मोटीवेर रहते हुए अन्य को भी मोटीवेर कर सकता है।

- बेहतर नीतियों को लक्षित करना
- अधीनस्थों को प्रेरित करना
- आदि

③ सामाजिक योग्यता के माध्यम से सिविल सेवक शीर्ष प्रबंधन समूहों के महत्व तथा में कमी, दंडों आदि की स्थिति का समाधान कर सकता है।

④ समानुभूति के माध्यम से सिविल सेवक कृषि के अनुसार कार्य विभाजन व टीम स्पिरिट को प्रोत्साहित कर सकता है जिससे कार्य की उत्पादकता बढ़ेगी।

⑤ आत्म प्रबंधन के द्वारा अपनी भावनाओं को प्रबंधित करते हुए आवश्यकतानुसार अभिव्यक्ति तथा सभी के साथ सकारात्मक संबंध बनाने में सहायक।

वर्तमान में ई लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा से सिविल सेवकों के दायित्व में वृद्धि हुई जिससे तथा, बर्क प्रल्नर प्रबंधन, टीम स्पिरिट आदि में E.I. का महत्व है।

बेहतर अध्या!

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

4.5
10

5. (a) भारत में सिविल सेवकों के लिये आचार संहिता की आवश्यकता का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10
Examine the need of Code of Ethics for civil servants in India. (150 Words) 10

बेहतर अध्या!

आचार संहिता किसी संगठन के उन मूल्यों व आदर्शों का समुच्चय होती है जो उस संगठन के कार्यों को तैतिक बनाने तथा अच्छी कार्य संस्कृति के निर्माण हेतु आवश्यक होती है।

भारत में केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली तथा सिविल भारतीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली - 1964 से 1968 जैसे आचरण संहिताएँ तो हैं, किन्तु वर्तमान में कोई तैतिक संहिता नहीं है।

तैतिक संहिता की आवश्यकता

① वर्तमान में भ्रष्टाचार की समस्या व्याप्त है।
पुराण परसेप्टर इन्डेक्स 2019 - 80 वें स्थान
2021 - 85 वें स्थान

② सार्वजनिक निधियों का दुरुपयोग
शुभ प्रधानमंत्री का बचन - 1 रुपये से 10 पैसे वास्तविक लाभार्थी तक

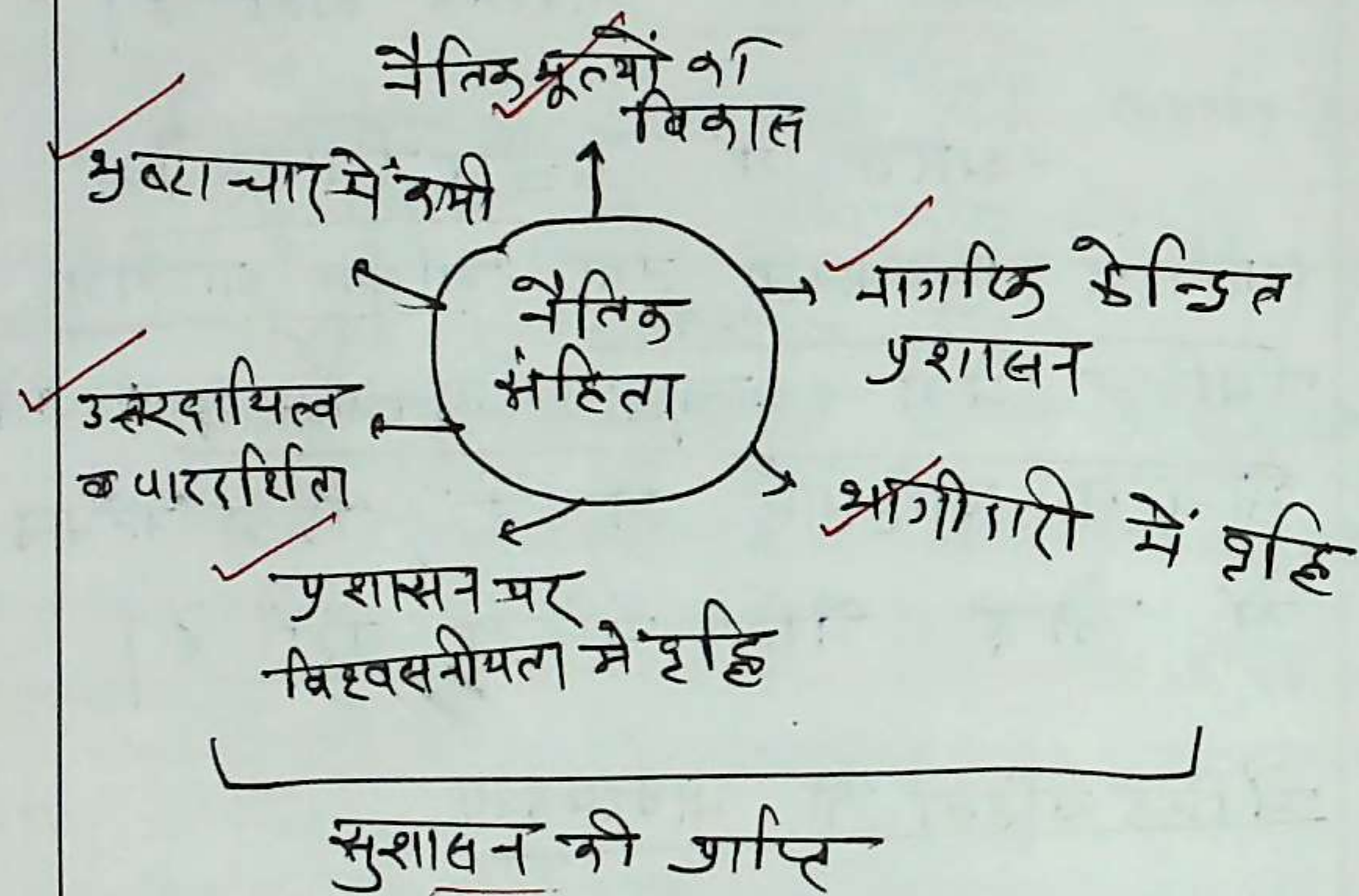
स्वतंत्र विधेय लेने में मजदूरी जनता का शिवाज

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

3) भारत में सीमित संसाधन किन्तु विशाल जन भागीदार।

4) सिविल सेवकों में भाषिजातवादी मानसिकता

5) उत्तरदायित्व, जवाबदेहीता जैसे मूल्यों का अभाव।



2nd ARC ने श्री सिविल सेवकों के लिए नैतिक मंहीला का धुआट दिया है जो सिविल सेवकों को उच्च नैतिक मूल्यों से युक्त होगी।

- आचार संहिता जिम्मेदारी व जवाबदेही की धारणा पर आधारित होनी चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

(b) समाज के कमजोर वर्गों की सेवा करने में सिविल सेवकों की अवैयक्तिक प्रबंधन की भूमिका पर चर्चा करते हुए, संक्षेप में इसका आलोचनात्मक संदर्भ बताइये। (150 शब्द) 10
While discussing the role of impersonal management for Civil Servants in serving the weaker sections of society, present its critical account briefly. (150 Words) 10

बहुत अच्छा प्रयास।

सिविल सेवकों का कार्य अनन्त तक सेवाओं की उदात्तता तथा सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करना है।

किन्तु इस कार्य में सिविल सेवकों में अवैयक्तिक प्रबंधन की समस्या देखी जाती है जैसे-

- 1) कमजोर वर्गों की उपेक्षा करना
- 2) कमजोर वर्गों के साथ उचित व्यवहार न करना
- 3) उन्हें जटिल परिस्थितियों में उत्साह देना

सेवा करने के कारण

- 1) सिविल सेवा में व्याप्त भाषिजातवादी मानसिकता

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

अवैयक्तिक प्रबंधन एक सिविल सेवक की निष्पक्ष व तटस्थ प्रकृति को संदर्भित करता है।

नैतिक सिविल सेवाओं में तटस्थता प्रशासन के लिये महत्वपूर्ण है।

② सर्वोदारीयता, सेवा-भावना जैसे मूल्यों का अभाव

③ बहुनिष्ठता, स्तरदायित्व का अभाव

④ भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास नहीं होने का कारण —

- सेवा की गुणवत्ता प्रभावित
- सामाजिक न्याय की अवधारणा को बंद
- सरकार व जनता के मध्य दूरी में शक्ति
- अध्याचार व पशालनिक असमता

फलतः अवैयक्तिक प्रबंधन हेतु विभिन्न क्षेत्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता तथा नैतिक मूल्यों को विकसित करना।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

6. (a) अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में नैतिक मुद्दे क्या हैं? चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10
What are the ethical issues in international relations? Discuss. (150 Words) 10

किसी-देश द्वारा अन्य देश की सरकार, धनता, संस्थाओं आदि के साथ संबंधों में नैतिक मूल्यों का अभाव समाविष्ट करना ही अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता कहलती है।

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में नैतिक मुद्दे

- वैश्विक अधिकार संपदा
- विशालीकरण
- मानवतावदी अंतर्क्रिया

① संप्रभुता का हनन - किसी सक्षम राष्ट्र द्वारा कमजोर राष्ट्र को शक्ति का अभाव दिखाने से उसके आंतरिक मामलों में दखलहांजी करना।

उदा. - ऑपरेशन वेस्टिंग द्वारा उपनिवेशों की संप्रभुता का हनन

- अमेरिका द्वारा इराक में आतंकवाद के उन्मूलन के मुद्दे पर संप्रभुता हनन

② सामरिक हितों की पूर्ति - जरीब देश को अहम देकर उसके भूमि व अन्य संसाधनों का अपने सामरिक हितों की पूर्ति में उपयोग

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

- अंतरिक्ष क्षेत्र
- संबंध
- शरणार्थियों को लम्बा

जैसे चीन द्वारा BRI प्रोजेक्ट के माध्यम से श्रीलंका व पाकिस्तान में

3) अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय सहायता - विकास के नाम पर वित्तीय सहायता, किन्तु अनेक शर्तें लगाता, जो नवउदारवाद के एक रूप है।

जैसे चीन द्वारा अफ्रीकी देशों के बाजारों का कब्जा

4) क्लिनिकल ट्रायल का मुद्दा

विकासित देशों द्वारा गरीब देशों को जनता पर क्लिनिकल ट्रायल सहमति का अभाव परीक्षण के बाद स्वास्थ्य देखभाल नहीं।

5) विकासित देशों द्वारा अन्तर्राष्ट्रिक, स्पेस जैसे ग्लोबल कॉन्सर्स का अपने दिलों की शक्ति में उपयोग

6) पर्यावरण का मुद्दा - सौसाध्यन दोहन-विकासित देश मुकसान-विकाशील वृद्धिशील देश

बतः सभी राष्ट्रों को एक अन्तर्राष्ट्रीय नैतिक सहिता बनाने का उपास करना चाहिए।

-समुद्री कचरा / Smuggling

अच्छा प्रयास।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

4.5
10

(b) सुखवाद को परिभाषित कीजिये और मनोवैज्ञानिक और नैतिक सुखवाद के बीच अंतर स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

Define Hedonism and differentiate between psychological and Ethical Hedonism. (150 Words) 10

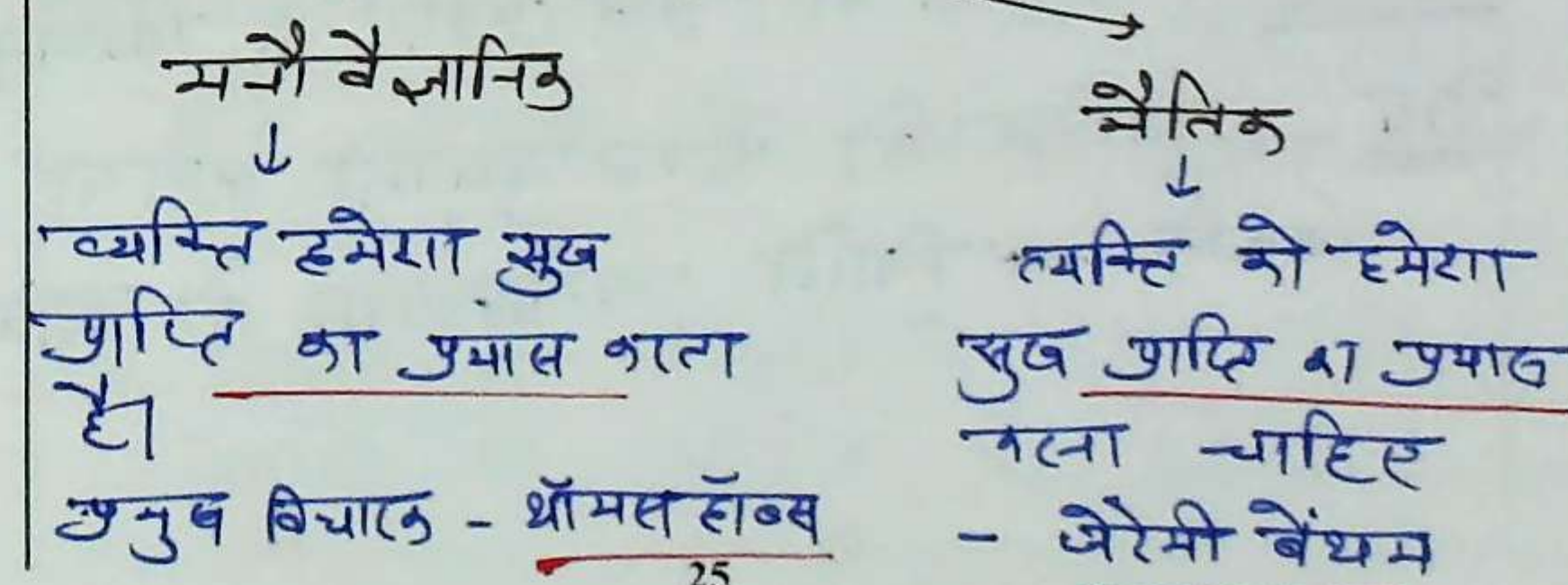
सुखवाद का अर्थ है कि व्यक्ति को केवल सुख प्राप्त के लिए प्रयास करना चाहिए।

भारत में चार्कि दर्शन तथा पश्चिम अस्तित्ववाद (सेनोडक दर्शन) तथा एपीक्यूरस संप्रदाय सुखवत्ता समुदाय माने जाते हैं।

चार्कि का कथन है -

यावत् जीवित, दुःखम जीवित, अहं कृत्वा घृतं पिबेत् भस्मी भूतस्य देहस्य पुनरागमनं कुतः।

सुखवाद के प्रकार

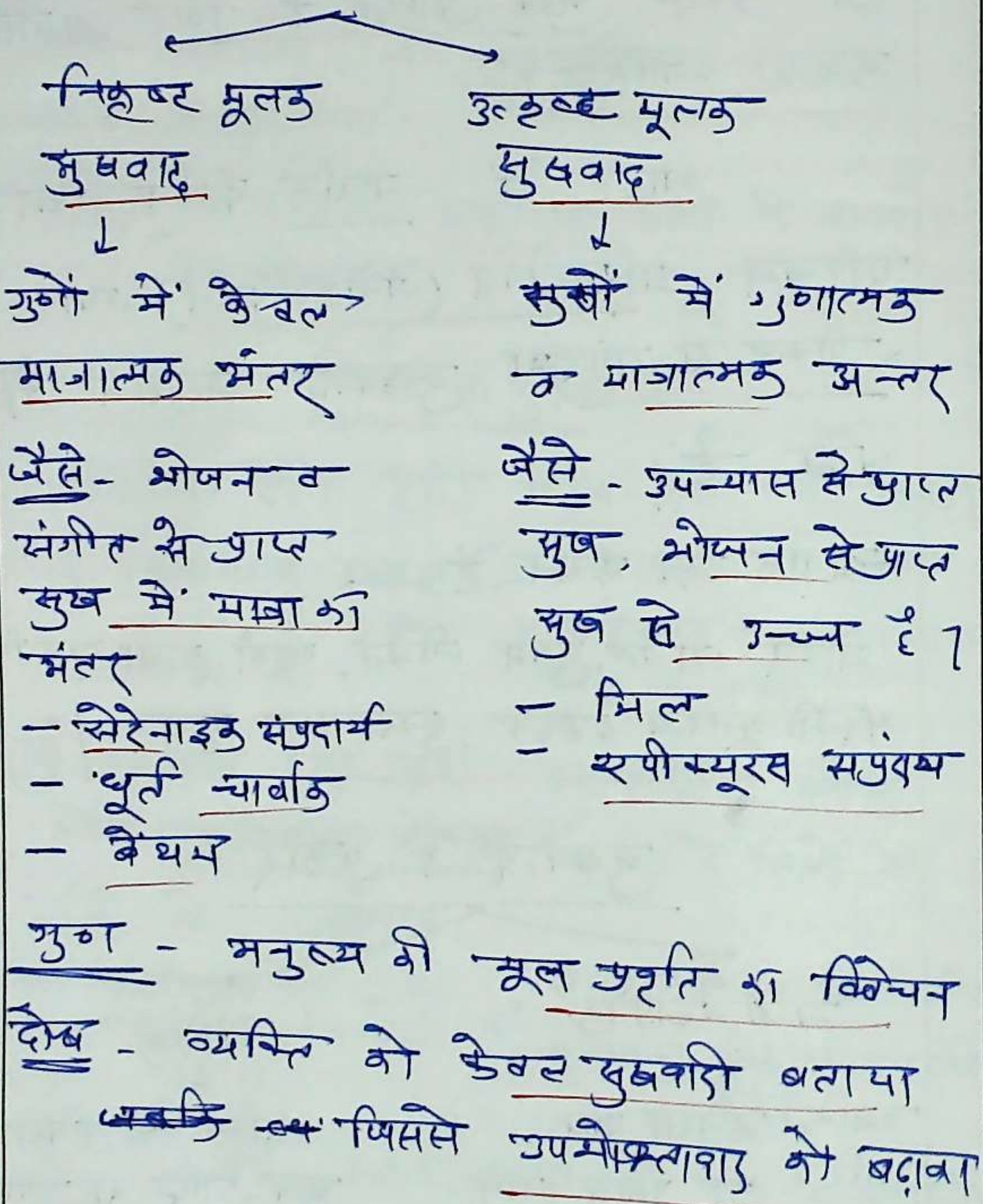


उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

आनंद जीवन का सबसे अच्छा और सर्वोच्च लक्ष्य है।

जेरेमी बेंथम - अधिकतम लोगों का अधिकतम सुख।

सुखवाद में सुखों में गुणात्मक
व मात्रात्मक अंतर के आधार पर
दो प्रकार माने जाते हैं -



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

Good

7. सार्वजनिक सेवा में नए मूल्यों की पहचान कीजिये जो वर्तमान परिदृश्य में उभर कर सामने आए हैं।
(150 शब्द) 10
Identify the new values in public service that are gaining currency in the present-day scenario. (150 Words) 10

सरकार द्वारा नागरिकों को दी जाने
वाली सेवाएँ ही सार्वजनिक सेवाएँ कहलाती
हैं।

जैसे - जल, बिजुत, कानून-व्यवस्था आदि।

वर्तमान के वैश्वीकरण व सूचना
तकनीक के युग में सार्वजनिक सेवा में
नए मूल्य उभर रहे हैं। जैसे -

- ① निजी क्षेत्र की सेवाओं के तुलना → धरतः
गुणवत्ता में सुधार की मांग
- ② श्रवण वैक्यु को अधिक महत्त्व देना
- ③ महान हस्तियों द्वारा प्रयोग किए जाने
वाले उत्पादों को अधिक महत्त्व प्रयोग
करना।
- ④ दिखाने की संस्कृति के कारण भ्रष्टाचार
सेवाओं को खरीदने की प्रवृत्ति

नवाचार
|
बेहतर तरीके
की खोज

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

लचीलापन
↓
जमाने पर
सेवा प्रदान
करने में कोई
भी साधन
उपनाने
की स्वतंत्रता

5) सूचना तकनीक के माध्यम से सेवा को त्वरित प्रदान करने की मांग

6) RAS, सिटिजन चारि आदि के माध्यम से जन जागरूकता में वृद्धि जिससे सेवाओं में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व व जबाबदारी जैसे मूल्यों की मांग,

7) डॉर टू स्टेप सेवाओं की मांग

जैसे- जैसे राज्य का स्वरूप बदल रहा है, सार्वजनिक सेवाओं में भी नए मूल्य आ रहे हैं।

अच्छा प्रयास।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रशिक्षण

पुरस्कार व
वीक्या

जोखिम
उठाना

उत्पत्ति

12
20

खंड - ख / SECTION - B

8.

आप एक जिलाधिकारी के रूप में पदस्थ हैं। आपको अपने अधिकार क्षेत्र के एक गाँव की स्थिति के बारे में पता चलता है जहाँ की जनसंख्या रक्ताल्पता (एनीमिया) से पीड़ित है। एक परियोजना के तहत गाँव वालों को फोर्टिफाइड (पोषक तत्वों से युक्त) चावल उपलब्ध कराने की पहल की गई ताकि उन्हें पोषण प्रदान किया जा सके। किंतु गाँव वाले इस गलत धारणा के चलते कि ये चावल प्लास्टिक के हैं, इनका उपभोग करने से मना कर देते हैं। वहीं दूसरी तरफ ग्रामवासी वामपंथी विचारधारा से भी प्रभावित हैं और आपको यह भी पता चलता है कि नक्सलवादी ग्रामीणों की इस आम धारणा का प्रयोग अपने फायदे के लिये कर रहे हैं जिससे सरकार को जनता तक पहुँचना अधिक मुश्किल हो रहा है।

एक अन्य वैकल्पिक पहल के रूप में लोगों को आयरन की गोलियाँ उपलब्ध कराई गईं लेकिन इसने भी ग्रामीणों के बीच एक अन्य गलतफहमी पैदा कर दी कि इन गोलियों के सेवन से गर्भवती महिलाओं के वजन में वृद्धि हो जाती है जो गर्भवती महिलाओं में प्रसव संबंधी जटिलताओं में वृद्धि का कारण बनती है। इस प्रकार यह पहल भी विफल साबित हुई।

(a) उपर्युक्त केस स्टडी में निहित विभिन्न मुद्दों को कौन-से हैं?

(b) नक्सलियों द्वारा प्रसारित गलत सूचनाओं के परिप्रेक्ष्य में आप जन सामान्य की धारणाओं को कैसे बदलेंगे? (250 शब्द) 20

You are posted as a District Magistrate. You come to know about a situation in the village under your jurisdiction where the population is suffering from Anaemia. An initiative was taken to provide fortified rice to villagers in order to provide nutrition to them but villagers deny to eat them as they have the misconception of the rice being the plastic rice. On the other hand, the village is also influenced by the Leftist movement and you get to know that Naxalites are using this public perception for their own benefit, making it more difficult for the government to reach the people.

An alternate initiative was taken by providing iron tablets to people but it created another misconception among villagers that these tablets lead to more weight of babies in pregnant mothers leading to delivery complications. Thus, it also ended in failure.

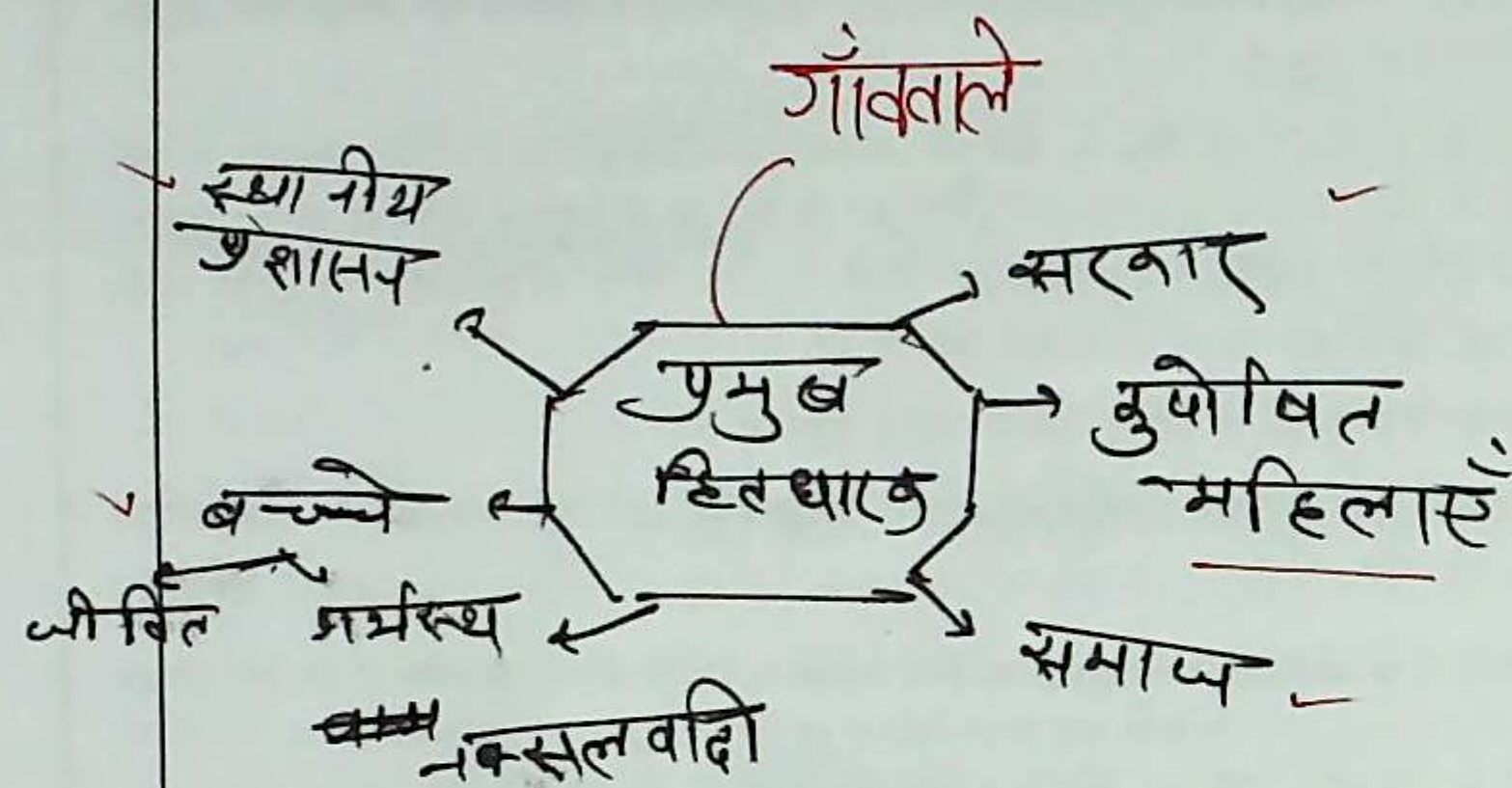
(a) What are the various issues involved in the above case study?

(b) How will you change the perception of the people in the backdrop of the spread of misinformation by the Naxalites? (250 Words) 20

वर्तमान में भारत में कुपोषण की समस्या उभर रही है। NFHS-5 के अनुसार भारत में एक तिहाई से अधिक महिलाएँ एनीमिया से पीड़ित हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यह निस्सुरी पोषण व अनविरोध के सम्बन्धों को उजागर करती है जैसा कि कोविड-19 के समय वैक्सीन प्रयोग को लेकर देखा गया था।



प्रमुख मुद्दे -

- ① महिलाओं की स्थिति में सुधार हेतु उन्हें भायस जोड़ियाँ व डोरिफाइड चावल का सेवन कराना।
- ② स्थानीय जनता द्वारा इसका विरोध करने की समस्या।
- ③ सामान्य जनता में डोरिफाइड

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चावल के संबंध में व्याप्त गलतफुर्मी

- ④ नक्सलवादियों के द्वारा जनता को भड़काने की समस्या
- ⑤ प्रशासन के समक्ष महिलाओं को पोषण प्रदान करने (SDG-2 को पूर्ण हेतु) तथा वामपंथी बिचारधारा से निपटने की समस्या
- ⑥ जनता के मन में प्रशासन की सकारात्मक छवि बनाकर जन-विश्वास को पीतने का मुद्दा।

जनसामान्य की धारणाओं को बदलने का प्रयास

- ① सर्वप्रथम ग्रामीणों से बात करके इस तरह की झुठलाहट को जगाने व पर्युत्थान करने का प्रयास
- ② गाँव के प्रमुख व्यक्ति जैसे धार्मिक

जनसामान्य की धारणाओं को बदलने का प्रयास
Video lecture
Social Media
सुझावकारक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- विद्यार्थियों को प्रेरित करना

नेता, बड़े-लिखे व्यक्ति, सरपंच आदि के माध्यम से जनता को समझाना तथा स्वयं उन व्यक्तियों के साथ उन आवक को खाना जिससे लोगों में विश्वसनीयता बढ़े।

- प्रशासन को क्षेत्र में नमस्कार के माध्यम से प्रभाव का प्रभाव

① इस कार्य के लिए सिविल सोसाइटी स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्य करने वाले NGO, स्वसहायता समूह की मदद लेना।

- चकबंदी कावग को लागू करना पुनर्स्थापना

④ मीडिया-विरोध! सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता सृजन

⑤ कुपोषण के प्रकाशक उद्देश्यों के परिणामों के बारे में बताना जिससे भय उत्पन्न → इस स्थिति में प्रशिक्षण परिकल्पना करना।

- पुनर्स्थापना का अर्थ है

⑥ सरकार को सूचित करके व्यक्तियों पर सैन्य कार्रवाई के माध्यम से

जनता के साथ उनके सम्पर्क को कम करने का प्रयास।

उपरोक्त उपायों के माध्यम से सरकार, पुच्छन भूख की समस्या को हल करने में सफल हो सकती है।

Good

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

10
20

9. लोकसेवकों का यह कर्तव्य है कि लोगों की सेवा ईमानदारी, सत्यनिष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ करें। लोकसेवकों में इन्हीं मूल्यों को अंतर्निविष्ट करने के लिये सिविल सेवा परीक्षा के पाठ्यक्रम में भी नीतिशास्त्र विषय को शामिल किया गया है। इसके साथ ही प्रशिक्षण के दौरान अतिरिक्त गतिविधियों के माध्यम से सिविल सेवकों को इसके लिये तैयार किया जाता है। इसके बावजूद सेवा में शामिल होने के पश्चात् कई लोकसेवकों को नैतिक पथ से विचलित होकर अवैध एवं भ्रष्ट व्यवहार में संलिप्त होते हुए देखा गया है। लोकसेवकों में बढ़ती हुई इस प्रवृत्ति को रोकने के लिये कार्मिक मंत्रालय द्वारा एक बोर्ड का गठन किया गया है तथा एक वरिष्ठ लोकसेवक होने के नाते आपको उसका चेयरमैन बनाया गया है। इसी दौरान जाँच एजेंसियों द्वारा एक लोकसेवक के अवैध भू-आवंटन से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में संलिप्त होने की पुष्टि की गई। लोकसेवा की आड़ में करोड़ों की व्यक्तिगत संपत्ति का संग्रह करना लोकसेवकों के नैतिक पतन का परिचायक है।

लोकसेवकों में उभरती हुई इस प्रवृत्ति को रोकने के लिये सरकार द्वारा क्या प्रयास किये गए हैं? इस समस्या के संदर्भ में आप क्या उपाय सुझाएंगे? (250 शब्द) 20

It is the duty of the public servants to serve the people with honesty, integrity and responsibility. Ethics has also been incorporated in the syllabus of civil services examination to inculcate these values in public servants. Also, civil servants are prepared for the same through additional activities during training. Despite this, many public servants after joining the service have been found deviating from the moral path and indulging in illicit and corrupt practices. A board has been constituted by the Ministry of personnel to check this growing trend in public servants. As a senior public servant, you have been made its Chairman. Meanwhile, a public servant was confirmed to be involved in the corruption related to illegal land allotment by the investigating agencies. The embezzlement of millions in personal property under the guise of public service is a reflection of the moral decay of public servants.

What efforts have been made by the Government to check this rising trend in public servants? What measures will you suggest in the context of this problem?(250 Words)

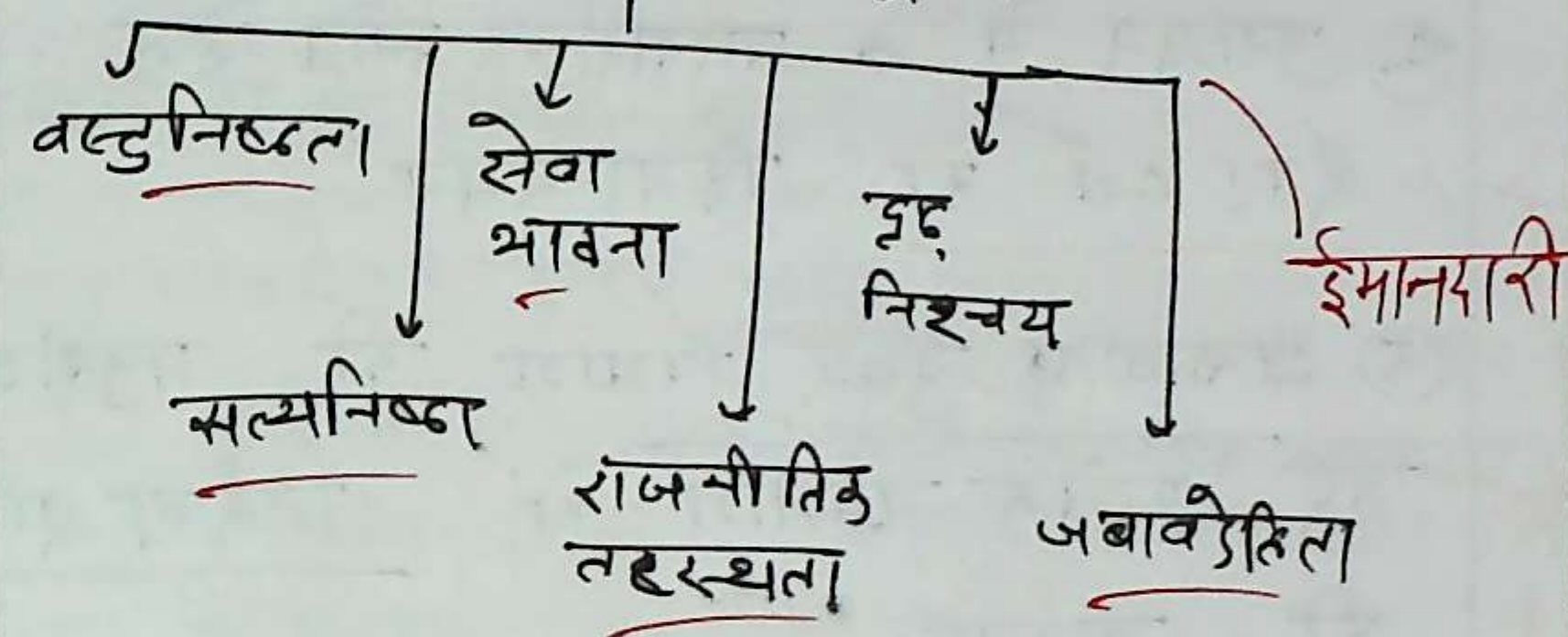
लोकसेवा में बढ़ता भ्रष्टाचार

सार्वभौमिक सामाजिक-आर्थिक उन्नति सुनिश्चित करने में प्रमुख बाधा बन गया है। एक सर्वे के अनुसार, सर्वाधिक भ्रष्ट सेवाएँ रशिया पैसिफिक में हैं जिनमें दक्षिण रशिया की स्थिति अत्यन्त

उम्मीदवार को इस
हार्शिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

दयनीय है

समस्या के समाधान
हेतु अपेक्षित मूल्य



सरकार द्वारा भ्रष्टाचार को रोकने हेतु

किए गए प्रयास

- ① भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम अधिनियम 1988 को पारित करना तथा इसके समय-समय पर संशोधन।
- ② संधानमसमिति - 1984 को अनुशासन के आधार पर केन्द्रीय सतर्कता आयोग (CVC), CBI

प्रशासनिक सुधार
आयोग

लोकपाल, CAG

उम्मीदवार को इस
हार्शिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

का गठन करना]

① IPC-1860 में धारा 161-165 तक
अध्याचार रोधी प्रावधान किए गए हैं।

④ प्रशासन में ७ पारदर्शिता लाने हेतु
RTI Act का विमान्वयन

⑤ अशासकिय बुध्दा विभाग की अनुशासना
पर प्रत्येक विभाग में सतर्कता इकाई
की स्थापना।

⑥ प्रक्रियाओं को त्वरित करने हेतु
e-गवर्नेंस उनाली का उपयोग
जैसे - file tracking
- faceless tax system

⑦ विभिन्न सार्वजनिक विभागों का CAG द्वारा
मॉडिटर

⑧ सामाजिक अकेक्षण के माध्यम से
अबावैधिता व उत्तरदायित्व को पुनिश्चर

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

5 रना 1

जैसे - भारत में सामाजिक अकेक्षण
अनिवार्य

- मेधालय - सामाजिक अकेक्षण अधिनियम

समस्या के निहित मुद्दे

- ① लोकसेवक द्वारा अध्याचार
- ② वरिष्ठ लोकसेवक होने के तहत अनुचित
कैबला लेना
- ③ लोकसेवकों में अध्याचार को समाप्त करना

उपाय -

- ① सर्वप्रथम अध्याचार की जांच हेतु
एक समिति का गठन
- ② समिति द्वारा सम्पूर्णता में जांच
- ③ तत्काल उपाय से पू-अभ्यन्त पर
निर्माण कार्य को रोक देंगे
- ④ लोकसेवक को बिना भी माइश देने
से मना करेंगे।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

P.C. घेता
समीत
Y.K. अलध
समीत।

केंद्र भाव्यन
में फाइंडेशन
कोर्स के दौरान
प्रवेशनरी के
प्रदर्शन को
सफल बना।

⑤ यदि लोकसेवा दोषी तो लोकसेवा पर कठोर कार्रवाई करेंगे।

⑥ लोकसेवा द्वारा ^{एकत्रित} भ्रष्टाचार सम्पत्ति को जप्त करना

⑦ इस डेटेदार पर भी कार्रवाई

⑧ भविष्य में ऐसी गतिविधियों को रोकने हेतु

- भूमि का डिजिटलीकरण प्रयासों को बढ़ाना
- लोकसेवकों को त्रैनिंग प्रोग्राम्स
- उत्तरदायित्व व जबाबदेही की भावना
- विवेकाधिकारों में कमी हेतु स्पष्ट नियम कानून
- 2017 में ली तकनीक का प्रयोग

अच्छा प्रयास!

10.

भारत के खनिज समृद्ध जिलों से एक में बड़ी संख्या में परिवार अप्रक के अवैध खनन में संलग्न हैं। इस क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण हेतु खनन कानूनन प्रतिबंधित है तथा खनिकों द्वारा उपयोग की जाने वाली पारंपरिक तकनीकों के परिणामस्वरूप वयस्कों के साथ-साथ बच्चों की भी मौतें होती हैं जिन्हें संकरे छिद्रों से जमीन के भीतर उतरने में कुशल समझा जाता है। सरकारी कार्रवाई एवं खनन माफियाओं से मौद्रिक समझौते के भय से ये मौतें शायद ही कभी पीड़ित परिवारों द्वारा दर्ज कराई जाती हैं, इसलिये प्रशासन इस मुद्दे से बेखबर है। हालाँकि इस क्षेत्र में कार्यरत एक एन.जी.ओ. ने जिला मजिस्ट्रेट से संपर्क किया और इस परिदृश्य की गंभीरता को उसके समक्ष उजागर किया है। यह मानते हुए कि आप जिला मजिस्ट्रेट हैं, संकट के विभिन्न आयामों की पहचान कीजिये तथा अपनी समझ के अनुरूप संकट से निपटने के उपाय सुझाइए।

(250 शब्द) 20

In one of the mineral-rich districts of India, a large number of families are involved in illegal mica mining. Under the law mining in the region is banned for environmental conservation, and the primitive techniques used by the miners are resulting in deaths of adults as well as children- who are deemed efficient in climbing down narrow holes in the ground. Due to fear of government crackdown and monetary settlements with the mining mafias these deaths are rarely registered by the aggrieved families, hence, the issue remains oblivious to the administration's concerns. However, an NGO working in the area has approached the district magistrate highlighting the grim scenario.

Assuming that you are the District Magistrate, identify the various dimensions of the crisis. Based on your understanding, suggest measures to deal with the crisis.

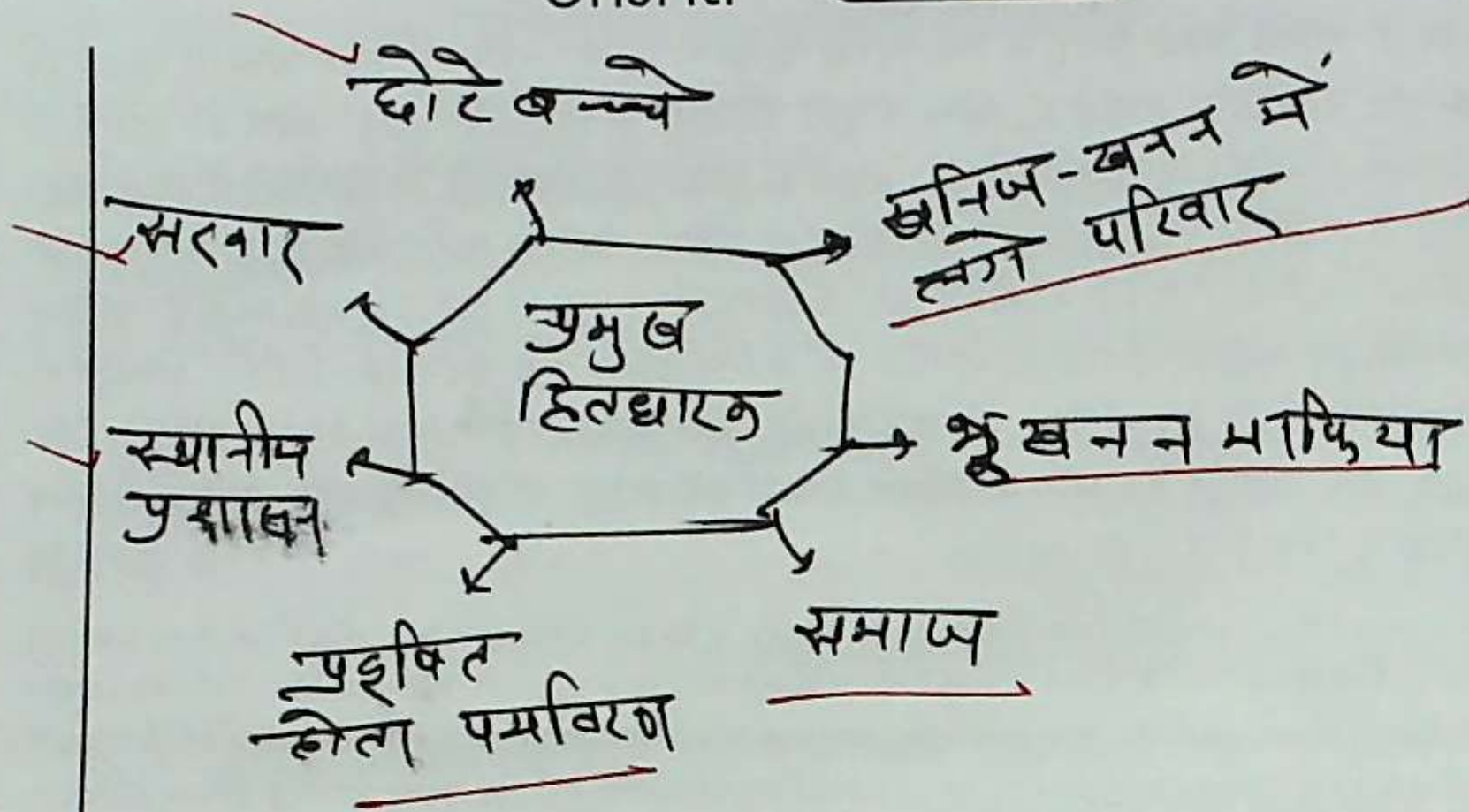
(250 Words) 20

भारत में अवैध खनन तथा इस में कार्यरत मजदूरों की मौतें एक प्रमुख समस्या है। कुछ समय पहले मैघालय में कोयला खान में मनेर मजदूरों की मौत का मामला सामने आया था। यह देव स्त्री भी इसी प्रकार की समस्या को उठाती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

अच्छा प्रयास!



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

संकट के विभिन्न आयाम

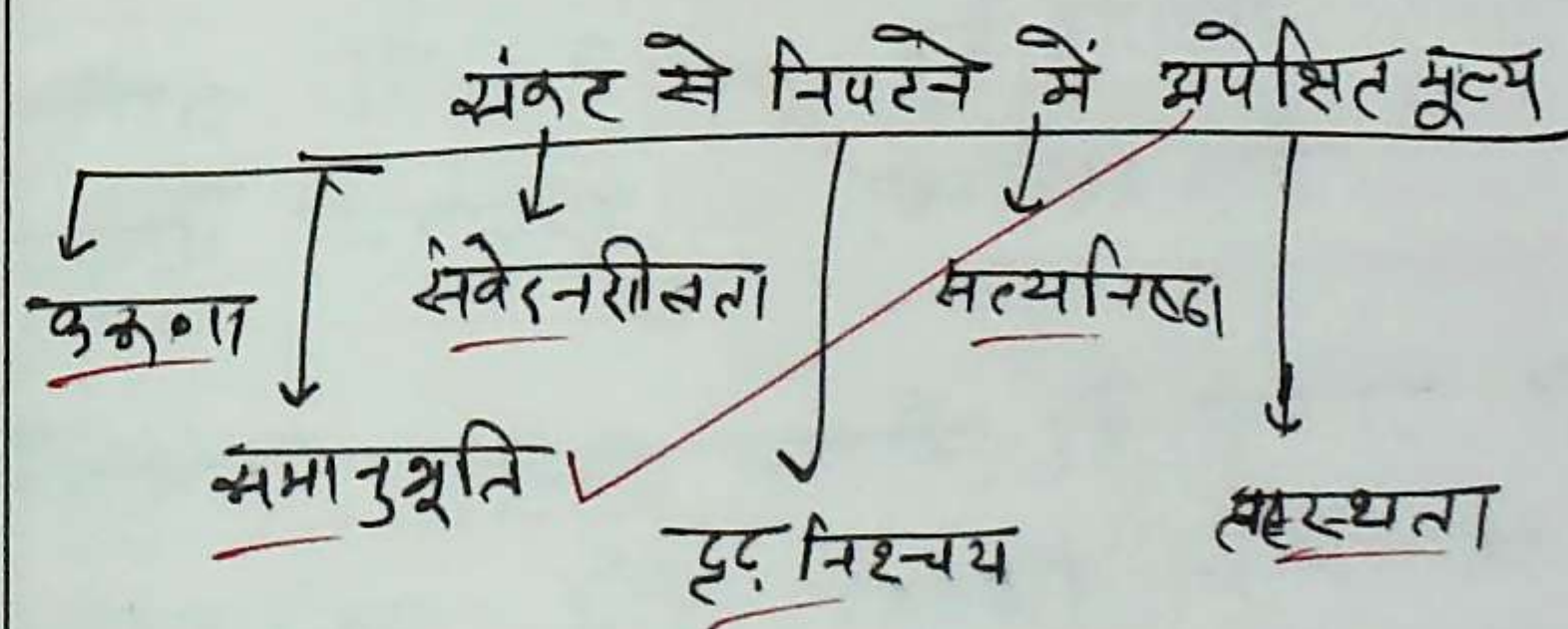
1. स्थानीय परिवारों की आय का अभाव प्रती अच्छे बच्चों के बचपन में लगे हैं
2. बच्चों को बचपन कार्य में लगे हैं से उनकी शिक्षा व स्वास्थ्य प्रभावित है। सँको दिनों में बचपन के बचपन उतनी मौत की समस्या
3. अवैध बचपन के माध्यम से बचपन व्यवस्था के उत्पन्न की समस्या

4. प्रशासन की उपेक्षा जिससे बचपन माफिया के मनोबल में वृद्धि

5. अर्थव्यवस्था बचपन परिवारों के उपेक्षा संबंधित का मुद्दा ।

6. अवैध बचपन के द्वारा संस्थापनों का उत्पन्न

7. पर्यावरण को क्षति पहुँचाने की समस्या ।



निपटने के उपाय

1. सर्वप्रथम अवैध बचपन को रोकने

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

लक्ष्यों को
अंश-कानूनी
कार्य से
जागरूक
करना।

1) उन्हें लिए पुलिस प्रशासन का सहयोग
लेना।

2) ग्रामीण परिवारों को खनन-भाण्डिया
के चंगुल से मुक्त करना।

3) उन्हें उनसे बच्चों को पढ़ाने के
लिए समझाना।

4) भाजीविका प्राप्ति के लिए सरकारी
योजनाओं से बौरे में जागरूक
करना तथा उनका लाभ देना

जैसा खाद्यान्न हेतु — PDS से राशन
रोजगार हेतु — मनोरोगा भाण्डिया
गैर किलेक्टर — उज्जवला योजना

5) ग्रामीण को कौशल विकास योजनाओं
का लाभ दिलाकर उन्हें स्वरोपकार
की ओर प्रोत्साहित करना
जैसी - मुद्रा योजना - इन्हें

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

6) बच्चों को मिड डे मील, स्कूल
शिक्षा आदि प्रदान करना।

7) खनन भाण्डियाओं पर कठोर
कार्रवाई करना।

पुलिस कार्रवाई

खनन भाण्डियाओं की
उपस्थिति बहुकेन्द्रीय
समस्याओं को जन्म
देती है।

अपेक्षा
प्रदान

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

11.

आप एक सिविल सेवा प्रतियोगी हैं और आपने इस परीक्षा के प्रथम दो चरण उत्तीर्ण कर लिये हैं और हाल ही में आपको साक्षात्कार हेतु कॉल लेटर मिला है। आपने इस अवसर पर परमात्मा के प्रति अपना आभार जताने हेतु अपने निवास के पास के पवित्र तीर्थस्थल पर जाने का फैसला किया। तीर्थस्थल में प्रवेश करते ही आप एक भूत भगाने की क्रिया को देखते हैं। जहाँ एक दबंग धार्मिक व्यक्ति दो महिलाओं पर चिल्लाते हुए लगातार थप्पड़ मार रहा है तथा उसके पास ही उनका परिवार मूक-दर्शक बनकर खड़ा है। आप इस बात से आश्चर्य हैं कि महिलाएँ मनोवैज्ञानिक रूप से पीड़ित हैं किंतु इनके परिवार के सदस्यों द्वारा उनकी इस स्थिति को उनके शरीर में बुरी आत्मा की उपस्थिति के लक्षण के रूप में पेश किया जा रहा है। आप इन महिलाओं की दुर्दशा से गहराई से प्रभावित हैं तथा उनके प्रति समानुभूति रखते हैं।

- (a) आपके पास इस स्थिति में कौन-कौन से विकल्प उपलब्ध हैं तथा आप इस स्थिति में कैसे प्रतिक्रिया देंगे?
- (b) भूत भगाने की प्रथा में कौन-कौन से नैतिक मुद्दे शामिल हैं? (250 शब्द) 20

You are a Civil Services aspirant who has cleared the first two stages of the exam and has recently received the interview call letter. On this momentous occasion, you decided to visit a holy shrine near your residence, in order to offer your gratitude to the divine. At the entrance of the shrine, you encounter a disturbing spectacle of exorcism. Two women are being continuously slapped, cursed and shouted upon by a domineering religious man, and their families are standing nearby as silent spectators. You are convinced that these women are suffering from psychological issues but its symptoms are being construed as the presence of evil spirit by the family members. You are deeply moved by the women's plight and you empathize with them.

- (a) What choices do you have and how will you respond in this situation?
- (b) What are the ethical issues involved in the practice of exorcism? (250 Words) 20

मनोवैज्ञानिक मुद्दे + मानसिक रोगों की समस्या से जागरूक न होना।

समाज में वर्तमान में भी
इसी सैली कुरीतियों विद्यमान हैं जिसके
कारण किसी एक पक्ष को शोषण
का शिकार होना बढ़ता है।
उपयुक्त बैक स्टडी भी सेवा ले
एक उदाहरण उद्धृत करती है।

रुढ़िवादी सोच।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

उपलब्ध विकल्प

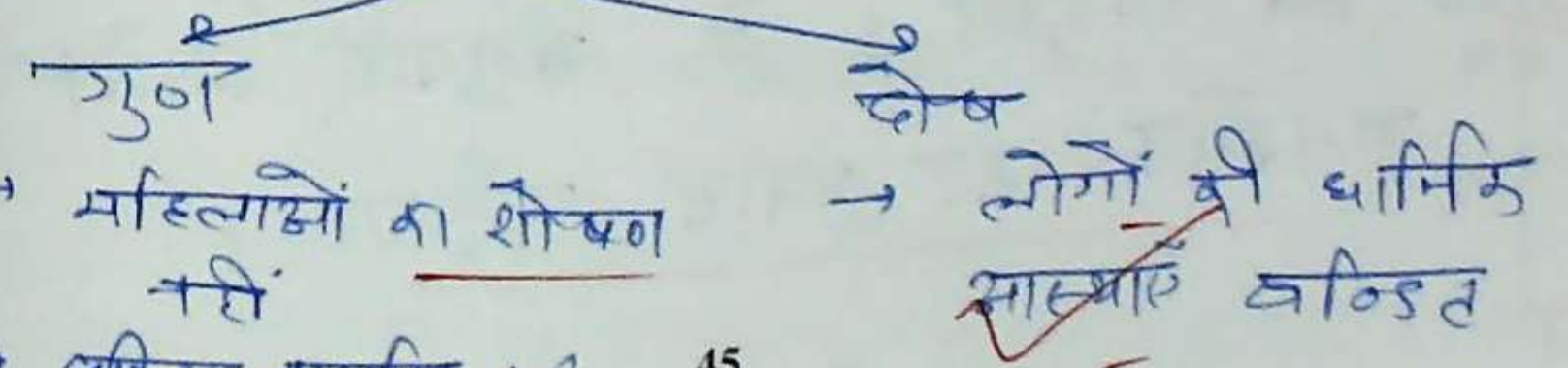
① अन्य लोगों की तरह बूढ़/दरिद्र
बन का देखते रहना



- 1- वहाँ पर कोई बाधा नहीं
- 2- मेरे व्यक्तिगत जीवन में कोई समस्या नहीं
- 3- लोगों की धार्मिक भावना जीवित

- 1- महिलाओं का शोषण जारी
- 2- सिविल सेवा के नैतिक मूल्यों की रक्षा पक्की उत्तरना
- 3- आत्म उत्थान का भाव

② गुस्ते में आकर धार्मिक व्यक्ति से साथ भाड़पीट करना व इसे गलत
बताना।



- महिलाओं का शोषण नहीं
- वैश्व सागरिक का कर्तव्य

- लोगों की धार्मिक भावना कण्डित

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

- स्वयं के साथ मारपीट
की खतरा

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

3- सहिय हस्तक्षेप - समझा-बुझा का

गुण

दोष

→ मारपीट की
संभावना नहीं

→ धार्मिक व्यक्ति उग्र
हो सकता है।

→ लोगों का
अंधविश्वास
है

→ लोगों की भावना
का पुरन, धन, वे
समझने को तैयार
नहीं

→ महिलाओं
का शोषण
करेगा

→ सिविल सेवा
के नैतिक मूल्यों
के अनुप

मेरी उपस्थिति

① शर्क विकल्प-3 के अनुसार लोगों को
समझाने का प्रयास करेगा।

② उन्हें बताऊंगा कि महिलाओं पर
शोषण अत्याचार है और इस पर
कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

③ महिलाओं को कितनी मनो-निकिल्सु
को दिखाने की सलाह दूंगा।

④ न मानने की स्थिति में प्रशासन को
सूचित करूंगा।

⑤ अंधविश्वास को दूर करने हेतु पर्यटन
करूंगा।

पुरुष चैतिक मुद्दे

① यह एक अंधविश्वास व ह्रदिवाद को
बढ़ावा देता है।

② माधुनिक तकनीक चिंतन व मान
लोगों की भावना का पुरन

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

मानसिक
समस्याएँ
हाइलिंग में
बल ठीक
हो जाती हैं।

धार्मिक विश्वासों
का प्रयोग
वाकिल गरिमा व
मानवाधिकारों का
उल्लंघन।

उपेक्षा करना
लेवे NCO's
ले जो तीव्र स्थिति
पर लेती
प्रशासन का
रकने का
प्रभाव करते हैं।

- ③ महिलाओं के साथ होने वाले शोषण की समस्या
- ④ धर्म के नाम पर शोषण को बढ़ावा
- ⑤ तीर्थ स्थापन को अपवित्र करने का कार्य
- ⑥ जनता द्वारा भ्रूक इश्टि बनने की समस्या

हमें भारतीय संविधान के वर्णित मूल कर्तव्यों के अनुसार अंधविश्वास को इस वैज्ञानिक चिन्तन को बढ़ावा देना चाहिए।

कठोर अज्ञान प्रभाव।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

10
20

12.

राजेश किसी जिले में एक प्रमुख तेल विपणन कंपनी के लिये जिला नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त है। उसे जिले में उज्जवला योजना को सफल बनाने के लिये अधिकृत किया गया है। हालाँकि उसे पता चलता है कि इस योजना के प्रति लोगों की व्यावहारिक समस्याएँ एक बड़ी बाधा हैं। अधिकांश निवासियों को यह आशंका है कि एल.पी.जी. पर पकाया गया भोजन अस्वास्थ्यकर और स्वादहीन होता है। वे एल.पी.जी. के सुरक्षित उपयोग को लेकर भी आशंकित हैं। एल.पी.जी. पंचायत तथा सुरक्षा जागरूकता शिविरों के आयोजन के बाद भी ये चुनौतियाँ बनी हुई हैं और निवासियों ने इन्हें भ्रामक बताते हुए पूर्णतः बहिष्कृत कर दिया है। इसके अतिरिक्त अन्य कारक जो इस योजना की सफलता को प्रभावित कर रहे हैं, उनमें बायोमास की सस्ती उपलब्धता एवं एल.पी.जी. सिलेंडर को फिर से भरने में लोगों की अवहनीय क्षमता भी शामिल है। उपरोक्त स्थिति में राजेश के समक्ष उपस्थित विकल्पों को चिह्नित कर उनका मूल्यांकन कीजिये ताकि वह जिले में उज्जवला योजना को सफल बना सके।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(250 शब्द) 20

Rajesh is posted as a District Nodal Officer for a leading oil marketing company in a certain district. He has been authorized to make the Ujjawala scheme a success in the district. However, he finds that behavioral issues on the part of residents is a big hurdle. Most of the residents have the apprehension that food cooked on LPG is not healthy and is tasteless. They are also apprehensive about the safety of LPG. These challenges persist even after the conduct of LPG Panchayat and safety awareness camps, and residents dismiss these as misleading. Apart from this, other factors that are checking the success of the scheme include cheap availability of biomass and unaffordability to refill LPG cylinder.

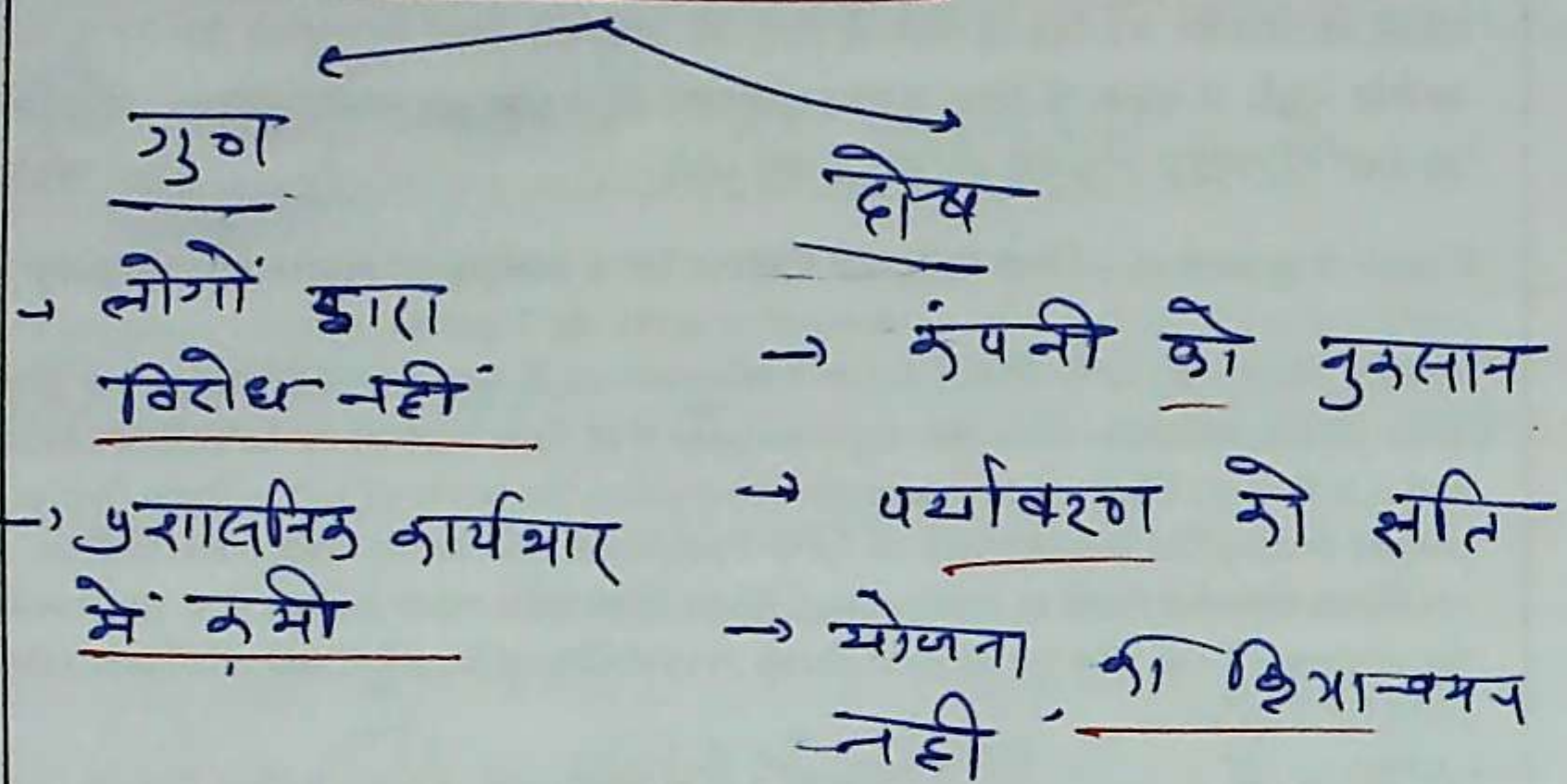
In view of the above situation, identify and evaluate the options before Rajesh so that he can make Ujjawala scheme successful in the district.

(250 Words) 20

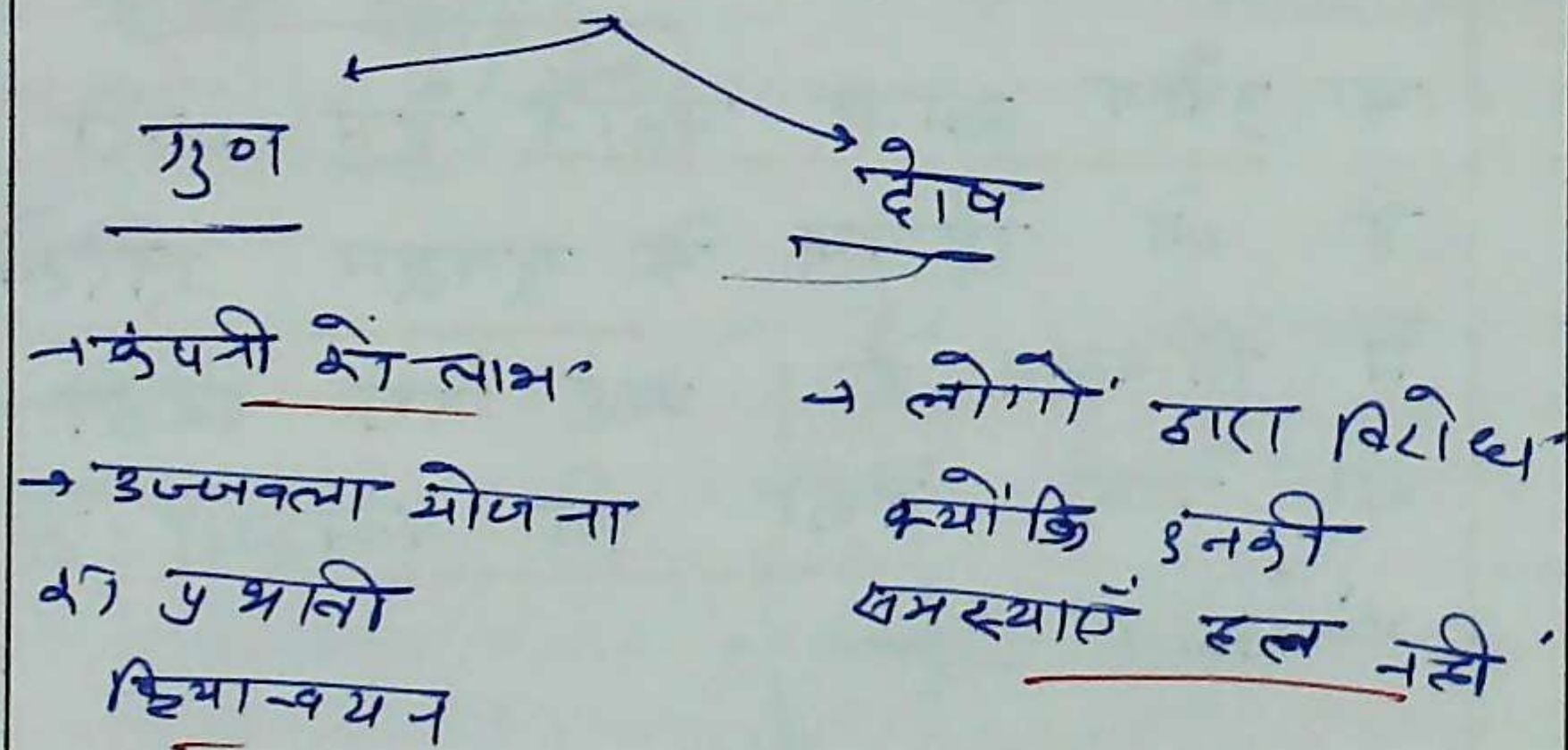
उज्जवला योजना के लॉन्च के बावजूद भारत में लकड़ी व कोयले का प्रयोग खाना पकाने हेतु जारी है जो योजना के मूलभूत उद्देश्यों से विचलन है। यह तब सही थी एक ऐसी ही समस्या के संबंधित है।

राष्ट्र के समक्ष उपलब्ध विकल्प

① लोगों को बायोमास का उपयोग करते रहने देना



② लोगों को LPG सिलिंडर के उपयोग के लिए बाध्य करना



उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

③ लोगों को समसाकर LPG के उपयोग को बढ़ावा देना ।

इसके लिए निम्न कार्यवाही

① सर्वप्रथम लोगों को LPG से प्राप्त स्वच्छ ऊर्जा के महत्व को बताया जाए ।

② बायोमास के उपयोग से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जागरूक करना ।

③ LPG सिलिंडर के उपयोग को विधानों के लिए NGO, स्वसहायता समूह आदि द्वारा प्रशिक्षण की व्यवस्था करना ।

④ रीफिल की समस्या से निपटने के लिए समूह लोगों से अपील

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मानविकता में परिवर्तन लाना ।
संवाद, लाभ बताना, प्रोत्साहन, प्रोत्साहन का विभाग ।

ASHA ANM तंत्र का शामिल करना

खसिडी में
बाँरे में बताना
/
लागत कम
होगी।

सेवात्मक पॉइंट
ऐसे काम में
सहायक हो
सकता है।

उसका कि वे अपनी कश्चिडी
छोड़ दे जिसका लाभ गरीबों को
मिल सके।

→ तेल विपणन कंपनी के नोडल अधिकारी
होने के ~~नाते~~ कंपनी से दाय सस्ते
की का हुआक देना।

→ LPG पर बनने वाले भोजन के
अस्वास्थ्य होने की गलतफहमी को
इस करना

- इसके लिए ~~सर्वे~~ भोजन करना
LPG किलेण्डर पर का हुआ
- शहरों का उदाहरण देना
- मीडिया के माध्यम के जागरूकता

उपर्युक्त उपायों के माध्यम से
भारत में SDG-7 (स्वच्छ ऊर्जा)
की जाफ़ि को पा सकती है

उष्ठा प्रयास!

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

13.

छात्रों का एक समूह नदी के किनारे स्थित एक गाँव में जाता है, जो बहुत ही खराब स्थिति (बुनियादी सुविधाओं की कमी) में है। वहाँ लोग बिजली, स्वच्छता, जल आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाओं के बिना झोपड़ियों में निवास कर रहे हैं। उपरोक्त अभावों के परिणामस्वरूप समीप के अन्य गाँवों ने इस गाँव का बहिष्कार कर दिया है, यहाँ तक कि इस गाँव को 'कुँवारा गाँव' के रूप में जाना जाता है, क्योंकि कोई भी व्यक्ति अपनी पुत्री का विवाह इस गाँव में नहीं करता है। उनकी अवस्था को देखने के बाद छात्रों के इस समूह ने जिला प्रशासन से संपर्क करने का निर्णय लिया। इस अत्यंत विकृत स्थिति के बारे में पूछे जाने पर अधिकारियों ने बताया कि यह गाँव गंभीर रूप से संकटापन्न प्रजातियों की सुरक्षा हेतु सरकार द्वारा संरक्षित क्षेत्र की सूची में श्रेणीबद्ध है।

नियमों के अनुसार, नदी तट से 500 मीटर के भीतर कोई निर्माण गतिविधि नहीं हो सकती है क्योंकि किसी भी प्रकार की निर्माण गतिविधि संरक्षित क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी।

एक जिलाधिकारी के रूप में कुछ संभावित रणनीतियों पर चर्चा कीजिये जिन्हें इस क्षेत्र के विकास हेतु अपनाया जा सकता है। (250 शब्द) 20

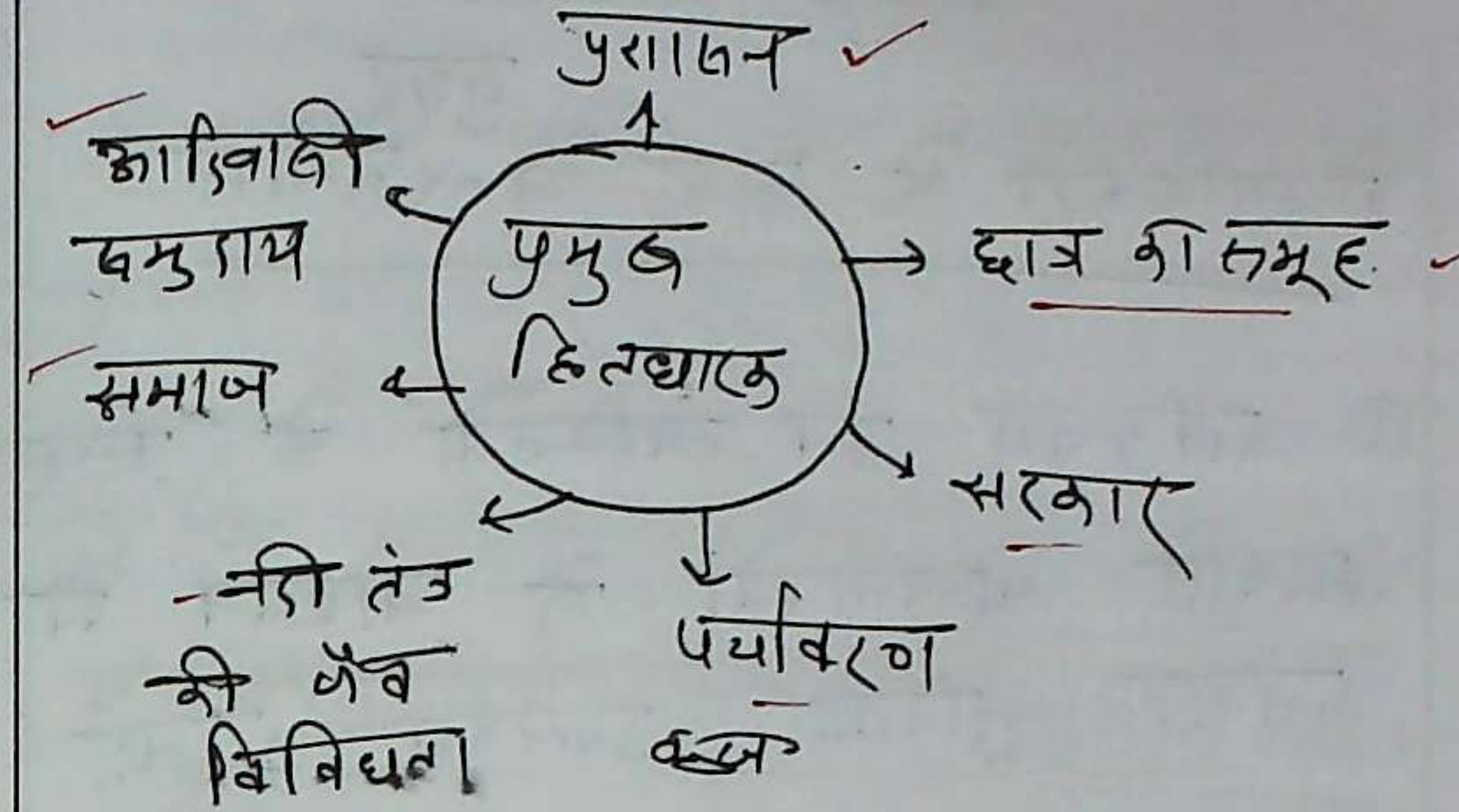
A group of students visit a village, situated on the bank of a river, which is in very poor condition. People are residing in shanties without basic infrastructure, like electricity, sanitation and water supply. Further, other villages in the close vicinity have boycotted this place, due to the above limitations, so much so that it is known as bachelor village as nobody marries their daughter in this village. After watching their condition, this group of students decided to approach the district administration. Questioned about the abysmal state of affairs, authorities pointed out that the village lies in the protected area especially earmarked by the government for protection of critically endangered species.

According to the rules there can be no construction activity within 500 meters of the river bank because any kind of construction activity would adversely affect the conservation zone.

As a District Collector, discuss some possible strategies which could be adopted to bring development to this area. (250 Words) 20

उपरोक्त क्षेत्र स्थिति में संकटापन्न प्रजाति का संरक्षण तथा नदी तट के संरक्षण हेतु 500 मीटर के भीतर किसी निर्माण गतिविधि पर रोक के महत्व इसकी समस्या है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- प्रमुख समस्याएँ → परिपूर्ण मानव जीवन की महत्ता
समावेशी व सहानुभूतिशील अभिवृत्ति
- 1) चंचित वर्ग को मूलभूत सुविधाएँ प्राप्त न होने की समस्या
 - 2) नदी किनारे निर्माण कार्य से नदी पारिस्थितिकी पर प्रतिकूल प्रभाव
 - 3) गाँव के लोगों द्वारा सामाजिक बहिष्कार की समस्या
 - 4) कुँवारा गाँव → जिससे विवाह नहीं करता। जनसंख्या रुक रही नहीं जिससे प्रजाति नष्ट होने का खतरा ✓

जिलाधिकारी के रूप में ^{सुधार} नीति

- ① सर्वप्रथम उन व्यक्तियों के लिए सरकारी योजनाओं के माध्यम से मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना है -
 राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम - प्रधान प्रधानमंत्री आवास योजना
 हर घर नल योजना - स्वच्छ जल
- ② आमुलमान भारत योजना के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाएँ
- ③ मनरेगा के माध्यम से रोजगार देना।
- ④ N90, विविध सेवाइली आदि के माध्यम से इनके सामाजिक भावेषन पर बल

प्रत्येक एक लक्षी गण करना।
 समाजों की पहचान के मुद्दाव के लिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
 (Candidate must not write on this margin)

⑤ गाँव वालों को समझाकर उन्हें उनका बहिष्कार रोकने का उपाय
 न मानने पर अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति उत्पीड़न विरोध अधिनियम-1989 तथा किविल क्रियाक संरक्षण अधिनियम के द्वारा राबिआई की ~~सुधार~~ विकास योजना।

⑥ धीरे-धीरे नदी से इर गाँव काले के साथ/या वहाँ से थोड़ा इर उठते रहने से व्यवस्था करना। पुनर्वास करना।

अच्छा प्रदान

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
 (Candidate must not write on this margin)

पत्राचार व समुदायों के सह-अस्तित्व के निर्माण में काम।
 आहरण।
 शेरों के संरक्षण के लिए पालधारी समुदाय।
 अपूरनाज का संरक्षण में नगाननजाति जोडावण का संरक्षण